भाद्रपद कृष्ण पक्ष 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 64 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 सितंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
31.5 अधिकतम
22.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य बनाए गए बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। रायपुर लोकसभा सीट से सांसद और वरिष्ठ बीजेपी नेता बृजमोहन अग्रवाल को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस सलाहकार समिति के अध्यक्ष केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू हैं, जबकि राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन उपाध्यक्ष हैं। समिति में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की सदस्य के रूप में नियुक्ति को उनके लंबे राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के अनुभव के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कर्नाटक मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी की रेड

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली समेत कुछ अन्य लोगों से जुड़े 18 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी विदेशों में अवैध तरीके से पैसे भेजे जाने से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पैसा कहां से आया और विदेश तक कैसे पहुंचा।

सिंगर एम्मी की हत्या की कोशिश बदमाशों ने किए 7 राउंड फायर

चंडीगढ़/ओटावा। पंजाबी संगीत और फिल्म जगत के चर्चित गायक व अभिनेता एम्मी विर्क के काफिले पर कनाडा के एबॉट्सफोर्ड में फायरिंग की गई। पांच सितंबर की रात 'यूनिटी टूर' के कार्यक्रम के बाद मैक्कलम रोड पर हुई इस वारदात में हमलावरों ने काफिले में शामिल एक लग्जरी गाड़ी पर करीब सात राउंड गोलियां चलाईं। गाड़ी बुलेटप्रूफ होने के कारण एम्मी विर्क और उसमें सवार अन्य लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद एबॉट्सफोर्ड पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली पीजी हादसा- बिल्डिंग लीज पर लेने वाला संचालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पीजी हादसे में अब तक 5 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने आज पीजी चलाने वाले पार्टनर्स सुधांशु और शुभम त्यागी में से सुधांशु को गिरफ्तार किया है, जबकि शुभम अभी फरार है। दोनों ने अगस्त 2025 में बिल्डिंग लीज पर ली थी। लेबर कॉन्ट्रैक्टर को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ा गया। इससे पहले पीजी मालिक हरिराम, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस रिमांड में महेश ने बताया था कि शुभम और सुधांशु उनकी बिल्डिंग लीज पर लेकर पीजी चला रहे थे।

मणिपुरी संगीतकार को पीट-पीटकर मारने वाले 7 आरोपी पकड़े गए

नई दिल्ली/इंफाल। दिल्ली में 54 साल के मणिपुर मूल के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या के आरोप में पुलिस ने 7 लोगों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग भी है। घटना 6 सितंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे की है। दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में रहने वाले विक्रम सिंह अपने घर के नीचे डिलीवरी बॉय और स्थानीय ढाबे के कर्मचारियों के तेज शोर और हंगामे पर आपत्ति जताने गए थे। सिंह की पत्नी जोशना के मुताबिक विक्रम का शोर बंद करने का कहने के बाद विवाद बढ़ गया। 8 लोग विक्रम के घर के दरवाजे तक आए और उनकी बेरहमी से पिटाई की।परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खोला, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए।

आज का कार्टून

इंटर्न डॉक्टर्स का स्टाइपेंड बढ़ने का मामला... जुलाई में दिया आश्वासन, आदेश अब तक नहीं

डेढ़ माह पहले भरोसा देकर भूली सरकार नतीजा भुगत रहे मरीज और पूरा शहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन आज तीसरे दिन भी जारी है। नए और पुराने भोपाल को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर कमला पार्क आंदोलन का केंद्र बना हुआ है। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च कर रहे इंटर्न डॉक्टरों को रोकने के दौरान पुलिस के वाटर कैनन इस्तेमाल और बल प्रयोग के बाद शुरू हुआ धरना अब व्यापक आंदोलन का रूप ले चुका है। उनके समर्थन में जूनियर डॉक्टर भी उतर आए हैं और वरिष्ठ चिकित्सकों की ओर से भी आंदोलन बढ़ने की चेतावनी सामने आई है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर पहलू यह है कि इसकी सीधी मार मरीजों पर पड़ रही है। सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित हुई हैं और ऑपरेशन थिएटर में कामकाज भी बाधित हुआ है। इलाज की उम्मीद में अस्पताल पहुंचे मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उधर कमला पार्क क्षेत्र में सड़क पर डॉक्टरों के धरने और प्रदर्शन से यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। मंगलवार को पॉलीटेक्निक चौराहे से रेतघाट तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। मामला केवल आज का नहीं है। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग जुलाई में ही सरकार के सामने आ गई थी। 9 जुलाई से आंदोलन शुरू हुआ और बाद में कामबंद आंदोलन भी किया गया। सरकार की ओर से एक माह में निर्णय लेने का आश्वासन मिलने के बाद डॉक्टरों ने आंदोलन टाल दिया, लेकिन डेढ़ माह गुजरने के बावजूद लिखित आदेश जारी नहीं हुआ। जुलाई के अंत तक सरकार की ओर से करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव की बात भी सामने आई थी, लेकिन उस पर भी कोई लिखित आदेश नहीं हुआ।

यही देरी अब सरकार के लिए सबसे बड़ा सवाल बन गई है। जब मांग दो महीने पहले सामने आ चुकी थी, आंदोलन हो चुका था और सरकार आश्वासन भी दे चुकी थी तो समय रहते अंतिम निर्णय क्यों नहीं लिया गया? क्या सरकार को यह अंदाजा नहीं था कि मामला दोबारा सड़क पर आ सकता है और उसका असर अस्पतालों से लेकर राजधानी के यातायात तक पहुंचेगा?

- तीन दिन से सड़क पर हैं डॉक्टर, पीक टाइम में बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था
- ओपीडी में मरीजों को नहीं मिल रहा इलाज, ऑपरेशन भी टालने पड़ रहे

शर्मनाक... मजदूर को 13,500 और पांच साल पढ़कर ड्यूटी करने वालों को 14,337!

मध्यप्रदेश में कलेक्टर रेट के अनुसार अकुशल मजदूर को 10,500 और कुशल मजदूर को 13,500 रुपए दिए जाने का प्रावधान है। वहीं पांच साल एमबीबीएस करके आने वाले इंटर्न को सिर्फ14,337 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। इससे समझा जा सकता है कि सरकार इन नए डॉक्टरों की कितनी अहमियत समझती है। इंटर्न इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं। जुलाई में सामने आई एक तुलना में मध्यप्रदेश स्टाइपेंड के मामले में देश में 25वें स्थान पर बताया गया था।

मंत्री से बातचीत का नतीजा नहीं

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से कई दौर की बातचीत के बावजूद गतिरोध कायम है। डॉक्टर अब मौखिक आश्वासन स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। उनकी स्पष्ट मांग है कि स्टाइपेंड बढ़ाने का लिखित आदेश जारी किया जाए। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री के विदेश दौरे से लौटने के बाद इस मामले में निर्णय हो सकेगा। इस बीच पुलिस कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठे हैं। वाटर कैनन की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला पहुंचा और पुलिस ने कार्रवाई की जांच के आदेश दिए हैं। सवाल सिर्फ 30 हजार के स्टाइपेंड का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक व्यवस्था का है जिसने जुलाई में उठे विवाद को समय रहते सुलझाने के बजाय उसे सितंबर में सड़क, अस्पताल और ट्रैफिक संकट में बदलने दिया।

अमेरिका का 5 ईरानी टैंकरों पर हमला

जवाबी कार्रवाई... जॉर्डन में यूएस बेस पर 20 मिसाइलों से अटैक

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान से जुड़े 5 तेल टैंकरों पर हमला किया। इसके कुछ घंटे बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने की ओर 20 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने 18 मिसाइलों को मार गिराया, जबकि दो मिसाइलें आबादी से दूर इलाकों में गिरीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ईरान ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। इसके जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़े तेल टैंकरों पर हमला किया। अमेरिका के हमले के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में 10 जहाजों पर हमले करने का दावा किया है।

यूपी के तीन जिलों में स्कूल बंद

उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड मप्र में 3 दिनों तक बारिश पर ब्रेक

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड के कारण पाबौ बाजार की छह दुकानें खाली करानी पड़ीं। यहां 25 से ज्यादा दुकानों पर खतरा बना हुआ है। लैंडस्लाइड के कारण घरों और दुकानों में भी दरारें आ गई हैं। वहीं, पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर 3 दिन का ब्रेक लिया है। मौसम विभाग, भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है। 12 सितंबर से फिर सिस्टम एक्टिव हो सकता है। यूपी में बारिश के चलते लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वाराणसी में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के स्कूल सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे।

नबीन बोले- पीएम ने युवाओं को निराशा से निकाला

सार्वजनिक जीवन में मोदी के 25 साल पूरे होने पर गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने आज दिल्ली में पीएम मोदी के जनसेवा और समर्पण के 25 साल पूरे होने के मौके पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2026 को मोदी सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करेंगे। उनकी सेवा यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शुरू हुई थी।

नितिन नवीन ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय देश में निराशा का माहौल था, लेकिन उनके नेतृत्व में युवाओं को इससे बाहर निकाला गया। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ गरीब परिवार गरीबी से बाहर आए और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी।

नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 25 साल में प्रधानमंत्री ने 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के मंत्र पर लगातार काम किया। उनके मुताबिक, मोदी ने शुरुआत में जो लक्ष्य तय किए, उन्हें संकल्प बनाया और उन्हें उपलब्धियों में बदलने का काम किया।

उन्होंने कहा कि मोदी की यात्रा एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर शुरू हुई थी और आज वह देश के 'प्रधान सेवक' के रूप में काम कर रहे हैं। नितिन नवीन ने इसे प्रधानमंत्री की स्पष्ट सोच और मजबूत संकल्प का परिणाम बताया।

ब्रिटेन में एयरपोर्ट्स पर फंसे हजारों यात्री

एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में खराबी, 1000 उड़ानें रद्द

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के चलते देर रात तक 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसल कर दी गई। फ्लाइट मॉनिटरिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 ने इसकी जानकारी दी।

ब्रिटेन की नेशनल एयर ट्रैफिक सर्विसेज ने बताया कि यह समस्या उड़ानों के टेकऑफ पर असर डाल रही थी। फ्लाइट सिस्टम धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। फ्लाइटरडार 24 ने एक्स पर बताया कि ब्रिटिश एयरवेज, ईजीजेट, चरू और लुफ्थांसा समेत कई एयरलाइंस की फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं।

लंदन के हीथ्रो, गैटविक और स्टैनस्टेड एयरपोर्ट के साथ-साथ इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स इलाके के एयरपोर्ट्स पर भी उड़ानों के टेक-ऑफ और लैंडिंग शेड्यूल में दिक्कतें आईं।कई विमानों को यूरोप के दूसरे एयरपोर्ट्स पर डायवर्ट करना पड़ा।

मेट्रो एंकर | टकराव टालने के लिए सरकार और बैंक संगठनों के बीच दिल्ली में प्रस्तावित है बैठक

इस महीने हड़ताल और छुट्टी, 8 दिन बंद रहेगा बैंकों में कामकाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सितंबर महीने में बैंकिंग सेवाएं आठ दिन तक प्रभावित रहने वाली हैं। इनमें बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ शनिवार और रविवार की नियमित छुट्टियां शामिल हैं। प्रदेश के करीब 40 हजार बैंक कर्मचारी हड़ताल में शामिल रहेंगे। इसका असर लगभग 7 हजार बैंक शाखाओं पर पड़ेगा। ऐसे में ग्राहकों को नकद जमा करने, पैसे निकालने, चेक जमा कराने और उसके क्लियर होने जैसी सेवाओं के लिए परेशानी हो सकती है।

बैंकिंग सेवाएं दो चरणों में प्रभावित होंगी। पहला चरण 11 से 13 सितंबर तक रहेगा। 11 सितंबर को बैंककर्मियों की हड़ताल है, जबकि 12 और 13 सितंबर को शनिवार और रविवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। इस तरह लगातार तीन दिन शाखाओं में सामान्य कामकाज नहीं होगा। दूसरा चरण महीने के अंत में आएगा। 26 और 27 सितंबर को शनिवार-रविवार की छुट्टी रहेगी। इसके बाद 28, 29 और 30 सितंबर को प्रस्तावित बैंक हड़ताल है। इस तरह दूसरे चरण में लगातार पांच दिन बैंक शाखाओं का सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है।

पांच दिवसीय सप्ताह की मांग

बैंक यूनियनों की प्रमुख मांग पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की है। अभी बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी रहती है। यूनियनों का कहना है कि सभी शनिवार को छुट्टी घोषित कर बैंक सोमवार से शुक्रवार तक पांच दिन चलाए जाएं। इसके लिए कर्मचारियों के कामकाजी समय को सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन करीब 40 मिनट बढ़ाने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यानी शनिवार की छुट्टी के बदले सप्ताह के बाकी पांच दिनों में काम के घंटे बढ़ाने की व्यवस्था होगी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने इसके साथ अधिकारियों से जुड़ी एक नई योजना को वापस लेने की मांग भी उठाई है। यूनियनों का कहना है कि उनकी मांगों पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हालांकि एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है। फिर भी बैंक सर्वर या तकनीकी समस्या होने पर इन सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए जिन लोगों को इन दिनों बड़ी रकम निकालनी या जमा करनी है, चेक से भुगतान करना है, बैंक ड्राफ्ट बनवाना है या शाखा में कोई जरूरी काम है, उन्हें तारीख देखकर पहले ही काम निपटा लेना बेहतर होगा। खासकर व्यापारियों, पेंशनरों, वेतनभोगियों और ऐसे ग्राहकों को परेशानी हो सकती है जो बैंक शाखा पर निर्भर रहते हैं। हड़ताल को लेकर सरकार और बैंक संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का रास्ता खुला है। नई दिल्ली में बैठक प्रस्तावित है। यदि बातचीत में सहमति बनती है और बैंक यूनियनें आंदोलन वापस लेती हैं तो ग्राहकों को बड़ी राहत मिल सकती है। फिलहाल कर्मचारियों के संगठन अपनी मांगों पर कायम हैं। हड़ताल और लगातार छुट्टी की तारीखों के दौरान शाखाओं में कैश जमा-निकासी, चेक संबंधी काम और अन्य काउंटर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। ग्राहकों को जरूरी नकदी पहले निकालने, चेक से जुड़े काम समय से पहले करने और बैंक शाखा में लंबित काम जल्द निपटाने की सलाह दी जा सकती है। ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी सेवाएं बैंक शाखा बंद होने के बावजूद आम तौर पर चलती रहती हैं। हालांकि किसी तकनीकी समस्या की स्थिति में इन पर भी असर संभव है। हड़ताल वापस होने या तारीखों में बदलाव की स्थिति में कार्यक्रम बदल सकता है।

बाजार में बढ़ी रौनक: मूर्तिकारों ने कहीं बनाए बाल गणेश तो कहीं महाराजा स्वरूप में विराजेंगे गणपति

बप्पा के स्वागत के लिए तैयार शहर, मूर्तिकार दे रहे लंबोदर की प्रतिमाओं को अंतिम रूप

भोपाल। गणेश उत्सव के लिए राजधानी में लोगों का उत्साह जोर पड़कने लगा है। अलग-अलग क्षेत्रों में मूर्तिकार गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। वे भगवान गणेश की एक से बढ़कर एक प्रतिमा को अंतिम रूप दे रहे हैं। कहीं, गणेश बाल रूप में नजर आ रहे हैं तो कहीं लंबोदर का महाराजा स्वरूप दिख रहा है। प्रमुख चौक-चौराहों, कॉलोनियों और बाजार क्षेत्रों में गणेश पंडाल भी बनने लगे हैं।

चौक-चौराहों पर जगह-जगह बनने लगे पंडाल, साज-सज्जा में जुटीं समितियां

जगह-जगह समितियां पंडाल बनाने के साथ सजावट ओर विद्युत व्यवस्था कर रही हैं। इस बीच बाजारों में गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए भी लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। इस बार कई स्थानों पर विशेष धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए जाएंगे। लोगों की आने वाली भीड़ को देखते हुए आयोजन समितियां भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, सुरक्षा और साफ-सफाई जैसी व्यवस्थाएं कर रही हैं।

न्यूज विंडो

101 जगहों से लिए पानी के सैंपल अब तक 29,482 की हो चुकी जांच

भोपाल। शहर में पेयजल की गुणवत्ता जांचने के लिए नगर निगम ने मंगलवार को 101 स्थानों से पानी के सैंपल लिए। निगम के अनुसार अब तक 29,482 पानी के सैंपल लिए जा चुके हैं। इनमें झुग्गी-बस्ती क्षेत्रों के 13,520 सैंपल शामिल हैं। इनकी जांच 8 प्रयोगशालाओं में की जा रही है। वहीं, 11 स्थानों पर पाइप लाइन लीकेज सुधारे गए। निगम के अनुसार अब तक 7,895 लीकेज ठीक किए जा चुके हैं।

81 वार्डों में लग रहे लोक कल्याण मेले, 30 तक चलेगा अभियान

भोपाल। सड़क किनारे कारोबार करने वालों को सहायता देने के लिए चल रही पीएम स्वनिधि योजना की पहुंच बढ़ाने की तैयारियां चल रही हैं। नगर निगम इसके लिए शहर के सभी 81 वार्डों में लोक कल्याण मेला लगा रहा है। 1 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। मेलों में नए ऋण और क्रेडिट कार्ड के आवेदन लेने के साथ लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाया जा रहा है। पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेनदेन के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

57 साइबर एक्सपर्ट संभालेंगे डिजिटल अपराधों की जांच

भोपाल। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच भोपाल पुलिस ने अपनी तकनीकी क्षमता मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नगरीय पुलिस भोपाल ने 57 आरक्षकों को साइबर अपराधों की जांच का विशेष प्रशिक्षण दिया है। अब इन्हें शहर के सभी थानों की साइबर डेस्क पर व्यावहारिक और जीवंत साइबर सेल के रूप में तैनात किया जाएगा। इसका उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाने के साथ पीड़ितों को थाने स्तर पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है।

ऐशबाग में जमीन के फर्जी सौदे में दो महिलाएं गिरफ्तार, दो फरार

भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने जमीन की धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज बनाकर 10 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह की दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों रेणु रीना, राम सिंह चौधरी और अन्य पर पहले से अपराध दर्ज है। फरार सुनीता व स्वाति की तलाश की जा रही है।

1000 करोड़ के इस प्रोजेक्ट में 18 अंडरब्रिज बनाए जाएंगे

16 किमी के 10 लेन रोड पर बनने लगे अंडरपास, 1 लाख आबादी को फायदा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रत्नागिरि तिराहा से आशाराम तिराहा तक 16 किमी की अयोध्या बायपास टेन लेन रोड को पार करने व्हीकल अंडरपास का निर्माण शुरू हो गया है। रोड में पौन किमी के अंतराल में 18 अंडरपास बनेंगे। आसपास रहने वाली व सर्विस रोड का उपयोग करने वाली एक लाख आबादी को इससे फायदा होगा। एनएचएआई के इस 1000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शुरुआती बजट 832 करोड़ रुपए था। काम में देरी के कारण बजट 170 करोड़ रुपए तक बढ़ गया है। अगले साल तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें सिक्सलेन मुख्यमार्ग के साथ दो-दो लेन सर्विस रोड का भी हिस्सा है।

रोड तो बन रही है, लेकिन रत्नागिरि से आशाराम तिराहा तक की 60 कॉलोनियों के लिए थोड़ी असहज स्थिति भी बन गई है। नया बन रही रोड जमीन से काफी ऊंचाई पर बना रहा है। इससे ये कॉलोनियां रोड से ढाई फीट तक नीचे हो गई हैं। अब इनके सामने बारिश के पानी की निकासी के साथ कॉलोनी के सीवेज की निकासी की समस्या है। रोड किनारे बड़ी डक्ट से कॉलोनियों के सामने अघोषित दीवार बन गई है। इससे लोगों की जहां आवाजाही मुश्किल होगी, वहीं पानी भरने से बच्चों के लिए परेशानी बढ़ जाएगी।

जमीन से दो फीट तक ऊंची रोड

प्रोजेक्ट ने बायपास के दोनों तरफ के पानी की निकासी पूरी तरह बांध दी है। इसकी सुगम निकासी बनी रहे, इसके लिए कोई अलग से इंतजाम नहीं किए गए। निर्माणाधीन अंडरपास ही एकमात्र विकल्प है, जिससे बारिश का पानी गुजर सकेगा। यानी बारिश के दौरान यहां पानी रहेगा और आमजन को आवाजाही में दिक्कत होगी। समय के साथ रोड के दोनों तरफ भूजल स्तर में भी बदलाव नजर आने की बात एक्सपर्ट कह रहे हैं।

कानपुर की ओर जाना होगा आसान

प्रोजेक्ट में 11 फ्लाईओवर और एलिवेटेड सेक्शन हैं। इस पर एक रेलवे ओवरब्रिज भी बनेगा। प्रोजेक्ट एयरपोर्ट, करोंद, रायसेन रोड, कानपुर की ओर जाने वाले भारी वाहनों की आवाजाही आसान होगी। 16 किलोमीटर लंबे इस रोड पर करीब हर 750 मीटर की दूरी पर अंडरपास बनाए जाएंगे। इससे करीब एक लाख आबादी को आवाजाही में सुविधा मिलेगी।

पर्यावरण संकट न हो रख रहे ध्यान

टाउन प्लानर सुयश कुलश्रेष्ठ का कहना है कि प्रोजेक्ट के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। अंडरपास समेत ब्रिज का काम भी जोर-शोर से चल रहा है। यह जरूर है कि इससे आसपास की कॉलोनियां भी नीची हुई हैं। इससे कोई पर्यावरणीय संकट न बने, इसका ध्यान रखना चाहिए। बता दें कि इस प्रोजेक्ट के लिए पहले 10 हजार पेड़ों की बलि देने की तैयारी थी। लेकिन नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसकी संख्या घटाकर 7871 कर दी। इन पेड़ों की कटाई के बाद प्रोजेक्ट के विस्तार में तेजी आई है। एनएचएआई का दावा है कि 2027 तक यह बनकर तैयार हो जाएगा।

मास्टर प्लान के लिए मैराथन

लोग बोले-उज्जैन का प्लान आ सकता है तो भोपाल का क्यों नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के मास्टर प्लान के लिए बुधवार को शहर में मैराथन दौड़ हुई। भोपाल के मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने मास्टर प्लान जल्द लागू करने की मांग को लेकर 'रन-4 मास्टर प्लान' का अयोजन किया। 11 नंबर बस स्टॉप से शुरू हुई इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, छात्र, व्यापारी और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग शामिल हुए। दौड़ के जरिए शहरवासियों ने भोपाल का मास्टर प्लान तत्काल लागू करने की मांग उठाई। विधायक मसूद ने कहा, भोपाल का मास्टर प्लान दो दशक से अटका हुआ है। एक ही प्रदेश में दो तरह की व्यवस्था चल रही है। जब उज्जैन का मास्टर प्लान आ सकता है तो भोपाल का मास्टर प्लान क्यों नहीं लाया जा सकता? सरकार को भोपाल के साथ दोहरी नीति नहीं अपनानी चाहिए।

आरिफ मसूद ने कहा, ''हम कुछ नहीं चाहते। बच्चे, नौजवान और महिलाएं सभी एक ही मांग कर रहे हैं कि भोपाल का मास्टर प्लान लाओ। राजनीतिक विचारधारा को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन भोपाल के साथ पक्षपात क्यों किया जा रहा है।

कहीं बच्चों की प्रोफाइल गलत तो कहीं आंकड़ों में हेरफेर

सीबीएसई स्कूलों ने दी गलत जानकारी विद्यार्थियों की संख्या में गड़बड़ी...थमाए नोटिस, होगी कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 433 सीबीएसई स्कूलों ने पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज की है। कई स्कूलोंने विद्यार्थियों की संख्या गलत बताई तो कई ने ऐसे में विद्यार्थियों के बारे में ठीक जानकारी नहीं दी। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) सिद्धार्थ जैन ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर और केंद्र सरकार यू-डाइस के जरिए बच्चों की जानकारी लेती है। दोनों पर अपलोड जानकारी से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति समेत अन्य योजनाओं की राशि दी जाती है। इससे उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जब जानकारी ही गलत तो कैसे मिले बच्चों को योजनाओं का लाभ

राजधानी में बिलाबॉन्ग स्कूल के एजुकेशन पोर्टल पर 270 विद्यार्थी दर्ज हैं, जबकि यू-डाइस पर 2177 हैं। सागर पब्लिक स्कूल के एजुकेशन पोर्टल पर 615 और यू-डाइस पर 2916 दर्ज है। कैंपियन के पोर्टल पर 1781, जबकि यू-डाइस पर 4004 विद्यार्थी दर्ज हैं। राजधानी के कुल 433 स्कूल हैं। ऐसे ही अन्य स्कूलों ने भी गलत जानकारी दर्ज की है। इससे बच्चों को मिलने वाली योजनाओं का फायदा नहीं मिल पा रहा है।

लोक सेवकों पर कार्रवाई का प्रस्ताव

राज्य एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रत्येक कम्पोनेन्ट में भोपाल जिले की स्थिति अत्यंत खेदजनक होने से नाराजगी जाहिर की गई है। निर्देशित किया गया है कि जिन लोकसेवकों ने कार्य को गंभीरता से नहीं किया है, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए और जिन्होंने लापरवाही बरती है, उनके विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। जिला परियोजना अधिकारी सिद्धार्थ जैन के अनुसार, पोर्टल पर कई स्कूलों ने गलत जानकारी दी है। स्कूलों को नोटिस जारी कर रहे हैं। कार्रवाई भी होगी।

मिसरोद थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही जांच

कॉलोनी में एसयूवी ने 10 कारों को मारी टक्कर, गेट तोड़कर भाग गया ड्राइवर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र की फॉर्च्यून सौम्या हेरिटेज कॉलोनी में देर रात तेज रफ्तार काले रंग की एसयूवी सवार ने हड़कंप मचा दिया। एसयूवी सवार ने कॉलोनी में खड़ी और रास्ते में 10 से ज्यादा कारों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हुई इस घटना से कॉलोनी के रहवासी सहम गए। बताते हैं, ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया था। इसके बाद वह एक के बाद एक कई कारों से जा भिड़ा। इसके बाद कार चालक कॉलोनी का गेट तोड़कर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के दौरान कॉलोनी में मौजूद रहवासी बाल-बाल

बच गए। तेज रफ्तार वाहन की वजह से बड़ा हादसा टल गया। पूरी घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मिसरोद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस फुटेज के आधार पर कार चालक की तलाश कर रही है।

प्रधान मुख्य आयकर कार्यालय में स्पर्धा

अफसर-कर्मचारियों ने पढ़ीं हिंदी में कविताएं, सभी ने जमकर की सराहना

भोपाल। गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग नई दिल्ली के तहत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र.3 भोपाल ने प्रधान मुख्य आयकर कार्यालय में में हिंदी माह के दौरान सभी दफ्तरों के अफसर-कर्मचारियों के लिए हिंदी काव्य पाठ का आयोजन किया। मुख्य अतिथि आयकर आयुक्त जयनाथ वर्मा (टीडीएस), थे। हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता के लिए जज गायिका व नगीन तनवीर, डॉ. मीनेश शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) केंद्रीय भविष्य निधि संगठन व 'मनसुख' के चर्चित कवि एवं लेखक संदीप नेमा 'दीप', सहायक अनुभाग अधिकारी, केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय भी मौजूद थे। प्रतियोगिता में अफसर-कर्मियों ने देशभक्ति, राजभाषा, पौराणिक महत्व, शौर्य गाथा, वेद ज्ञान, दोस्ती और हिंदी भाषा जैसे विषयों से विविध रसों पर कविताओं का पाठ किया।

मेट्रो एंकर मंदिरों में गूंजे प्रवचन और भक्ति के स्वर, आठ दिन आराधना में लीन रहेंगे श्रद्धालु

श्वेतांबर जैन समाज का 'पर्युषण', अहम व वहम दूर करने का संदेश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आत्मशुद्धि का आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व मंगलवार से श्वेतांबर जैन मंदिरों में शुरू हो गया। पहले दिन श्रद्धालुओं ने प्रभु भक्ति, सेवा और संयम के संकल्प लिए। अधिकांश व्रतधारी धर्मावलंबी इन आठ दिनों में सूर्यास्त से पहले ही जल ग्रहण करेंगे। आदिनाथ जैन मंदिर, तुलसी नगर में साध्वी सोमेय वंदना श्रीजी महाराज के सानिध्य में पर्व का शुभारंभ हुआ। लोगों को अहम और वहम से दूर रहने का संदेश दिया गया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार कई साधक 8 दिन एकासना व्रत के साथ 34 दिवसीय सिद्धि तप साधना भी कर रहे हैं।

शहर के जैन मंदिरों की छटा देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया तुलसी नगर का मंदिर।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग हुए मंदिर

पर्व को लेकर मंदिर परिसर आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगा रहे हैं। पर्युषण पर्व के दौरान श्रद्धालु पूजा-पाठ, सामायिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय, प्रवचन और तप-त्याग के माध्यम से आत्मशुद्धि की साधना में लीन रहेंगे। इन दिनों श्रद्धालु भौतिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर संयमित जीवनशैली अपनाते हैं। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि श्रावकों ने साध्वी संघ से आठ दिनों तक निरंतर व्रत-उपवास करने के संकल्प लिए हैं। मंदिरों में भगवान की प्रतिमाओं का स्वर्ण-रजत आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया है।

युवाओं ने बनाई मोबाइल से दूरी

अहम और वहम को दूर भगाने का संदेश तुलसी नगर स्थित मंदिर में साध्वी शीतल धर्मा श्रीजी एवं साध्वी संघ के सानिध्य में मूलनायक भगवान आदिनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। कई श्रद्धालुओं ने 8 दिनों के लिए भौतिक सुख-सुविधाओं के साथ मोबाइल का भी त्याग किया है। साध्वी शीतल धर्मा श्रीजी ने कहा कि पर्युषण पर्व अहिंसा, संयम और क्षमा का संदेश देता है।

क्रोध-लोभ पर विजय पाने का यह पर्व

साध्वी शीतल धर्मा श्रीजी ने संदेश दिया कि सांसारिक पर्व कुछ समय का बाहरी सुख देते हैं, जबकि पर्युषण महापर्व आत्मिक सुख-शांति प्रदान करता है। यह क्रोध और लोभ जैसी विषयों को त्यागकर आत्मसिद्धि की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। शहर के अन्य जैन मंदिरों में भी पर्युषण को लेकर आयोजन किए जा रहे हैं। पर्युषण पर्व के प्रथम दिन महावीर गिरी, पिपलानी जिनालय सहित अन्य जैन मंदिरों में भी धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। दूसरे दिन बुधवार को भी आयोजनों में बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। छात्र दीपक मालू ने बताया कि पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि का व्रत है। आराधना में मोबाइल बाधक था, इससे 8 दिन के लिए दूरी बनाई है।

विकास पर जोर

दुबई में निवेशकों से मिले सीएम मोहन, मप्र में निवेश के लिए तलाशे अवसर

अगले साल होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का दिया न्योता

ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन एनर्जी -तकनीक से लेकर शिक्षा व रिटेल तक निवेश पर चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स और नगरीय विकास के क्षेत्र में निवेश के लिए बेहद अनुकूल प्रदेश है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना, पर्याप्त ऊर्जा और कुशल मानव संसाधन प्रदेश को औद्योगिक विकास की दृष्टि से विशेष अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को दुबई में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 के संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की संभावनाओं से अवगत कराया और अगले वर्ष होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में शामिल होने का न्योता दिया।

मुख्यमंत्री ने क्रसेंट एंटरप्राइजेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बद्र जाफर से मुलाकात में प्रदेश के प्रमुख उत्पादन समूहों में भंडारण और लॉजिस्टिक्स की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तकनीक आधारित उद्यमिता और नवाचार को लगातार बढ़ावा दे रही है। जाफर ने शहरी अधोसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी, संसाधनों के बेहतर उपयोग और तकनीक हस्तांतरण के क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश में रुचि दिखाई। ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को लेकर भी दोनों के बीच विस्तृत चर्चा हुई।

पोवारखेड़ा बनेगा लॉजिस्टिक्स का बड़ा केंद्र

डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिजवान सूमार के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को अंतरदेशीय लॉजिस्टिक्स के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने की संभावना बताई। यहां बहुआयामी लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और कोल्ड-चेन सुविधाएं विकसित होने से औद्योगिक और कृषि समूहों को लाभ मिलेगा। रेल आधारित माल ढुलाई से परिवहन लागत और समय घटाने के साथ किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और निर्यातकों को भी बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा। राणा होल्डिंग्स के चेयरमैन-प्रबंध निदेशक डॉ. दर्शन सिंह राणा के साथ बैठक में स्मार्ट विनिर्माण, डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी और कृषि मशीनरी के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। वहीं ब्यूमर्क कॉर्पोरेशन के कार्यकारी चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ बालाचंद्रन ने अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवाओं, तकनीक और हरित ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई।

प्रदेश में खुलेंगे अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल

जेम्स एजुकेशन के चेयरमैन-फाउंडर सनी वर्की के साथ हुई बैठक में शिक्षा क्षेत्र में निवेश पर चर्चा हुई। कंपनी ने मध्यप्रदेश के प्रमुख और विकासशील शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल परिसर स्थापित करने में रुचि दिखाई है। इन संस्थानों में विद्यार्थियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जाएगा। शराफ समूह ने मध्यप्रदेश में अपने संचालन और प्रतिष्ठान स्थापित करने में रुचि दिखाई। बैठक में इंदौर और पीथमपुर क्षेत्र में रेल-साइडिंग से जुड़े लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। परियोजना में करीब 30 से 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावना है। इससे लगभग 300 से 600 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। आधुनिक भंडारण और क्षेत्रीय वितरण केंद्र विकसित करने पर भी विचार हुआ। वीएफएस ग्लोबल के वैश्विक प्रमुख अमित साइचर के साथ बैठक में निवेश, रोजगार, पर्यटन, वीजा सेवाओं और युवाओं के कौशल विकास पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने भोपाल और इंदौर में वीजा आवेदन सेवाओं का दायरा बढ़ाने का आग्रह किया।

सुपरमार्केट और खाद्य प्रसंस्करण में भी निवेश

चोइथराम समूह के अध्यक्ष एल.टी. पगरानी के साथ बैठक में आधुनिक किराना बाजार और सुपरमार्केट की स्थापना पर चर्चा हुई। समूह प्रदेश के प्रमुख शहरों में आधुनिक खुदरा केंद्र स्थापित करने का इच्छुक है। इसके तहत स्थानीय किसानों और उत्पादकों से सीधे कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद खरीदने तथा खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग और निजी ब्रांड निर्माण को बढ़ावा देने की योजना पर विचार किया गया। इससे स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार मिलेंगे और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

6 लाख विद्यार्थियों का आधार अपडेट

छात्रवृत्ति, प्रवेश और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के आधार में लंबित अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूरा कराने के लिए अभियान तेज कर दिया है। जुलाई और अगस्त में चलाए गए अभियान के तहत 31 अगस्त 2026 तक प्रदेश में 6 लाख से अधिक विद्यार्थियों के आधार का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है। अब 1 सितंबर से इस अभियान को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सभी पात्र विद्यार्थियों का लंबित एमबीयू जल्द पूरा कराना है, ताकि आधार से जुड़ी शासकीय सेवाओं का लाभ लेने में उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के स्कूल में दाखिले, प्रवेश परीक्षाओं, छात्रवृत्ति, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लेने के लिए आधार का अद्यतन होना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कराया जा रहा है। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी एमबीयू की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

5 और 15 वर्ष की आयु में कराना होता है एमबीयू

आधार में बायोमेट्रिक अपडेट के दौरान बच्चे की फोटो, फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन अपडेट किए जाते हैं। पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर, जबकि दूसरा 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर कराया जाना आवश्यक है। 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एमबीयू की प्रक्रिया निःशुल्क है। विभाग ने अभिभावकों से पात्र बच्चों का लंबित अपडेट जल्द कराने की अपील की है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग और राज्य शिक्षा केंद्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सहयोग से विशेष पहल शुरू की है। शासकीय विद्यालयों में नियमित रूप से आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाए जा रहे हैं।

यात्री परिवहन को नई रफ्तार देने की तैयारी

इंदौर में दो दिन मंथन, सरकार-उद्योग मिलकर तय करेंगे 2030 का रोडमैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में सरकार अब निजी क्षेत्र के साथ मिलकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 11 और 12 सितंबर को यात्री परिवहन विजन समिट-2026 आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होने वाले इस आयोजन में परिवहन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, निजी बस संचालक, उद्योग प्रतिनिधि और नीति निर्माता एक मंच पर जुटेंगे। दो दिन तक प्रदेश की मौजूदा परिवहन व्यवस्था की चुनौतियों और भविष्य की जरूरतों पर मंथन होगा।

समिट का मुख्य केंद्र मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना रहेगी। सरकार का लक्ष्य ऐसा यात्री परिवहन तंत्र विकसित करना है, जो आम नागरिकों के लिए आसानी से उपलब्ध होने के साथ आर्थिक रूप से टिकाऊ और तकनीक आधारित हो। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के साथ सरकारी योजनाओं को जमीन पर बेहतर तरीके से लागू करने पर भी चर्चा होगी। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह भी आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा ईलेट्स टेक्नोमीडिया के सहयोग से किया जा रहा है।

निजी निवेश को मिलेगा बढ़ावा

समिट में यात्री परिवहन क्षेत्र में निजी निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की रणनीति तैयार की जाएगी। सरकार की योजना परिवहन व्यवस्था को केवल बस संचालन तक सीमित न रखकर इससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं विकसित करने की है। बस निर्माण, इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन आधारित वाहन, चार्जिंग केंद्र, डिजिटल टिकट व्यवस्था, वाहन बेड़े का प्रबंधन और यात्री सूचना प्रणाली जैसे क्षेत्रों में नए अवसर तलाशे जाएंगे। इससे परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। दो दिवसीय समिट में आठ सत्र होंगे। इनमें यात्री सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन, हरित परिवहन, बस संचालन की आर्थिक आत्मनिर्भरता, एकीकृत टिकट व्यवस्था और स्वचालित किराया संग्रह जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

गांव-शहर की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत, आरडीएसएस से 31 नए उपकेंद्रों पर काम तेज

भोपाल। मध्यप्रदेश में बढ़ती बिजली मांग और उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति देने के लिए विद्युत वितरण नेटवर्क को मजबूत करने का काम तेज कर दिया गया है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 24 जिलों में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत नए उपकेंद्रों के निर्माण, बिजली लाइनों के विस्तार और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ भविष्य की जरूरतों के लिए भी बिजली नेटवर्क को तैयार करना है।

आरडीएसएस के तहत कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में 31 नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें से 10 उपकेंद्रों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बाकी उपकेंद्रों पर भी निर्माण और उससे जुड़े कार्यों को गति दी जा रही है। नए उपकेंद्रों के अस्तित्व में आने से संबंधित क्षेत्रों में बिजली वितरण की क्षमता बढ़ेगी और आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव कम होगा। बिजली नेटवर्क के विस्तार के लिए कुल 722.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन बिछाने का प्रावधान किया गया है। इसमें से 332.6 किलोमीटर लाइन का काम पूरा हो चुका है। शेष हिस्से में भी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। नई लाइनों के माध्यम से दूरस्थ और बढ़ती आबादी वाले क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की क्षमता बढ़ाने के साथ आपूर्ति को अधिक भरोसेमंद बनाने पर जोर है।

भागीरथपुरा में 36 मौतों पर जांच रिपोर्ट, न्यायिक आयोग ने माना-

दूषित पानी नहीं, सिस्टम की लापरवाही बनी त्रासदी की वजह, मिली थी चेतावनी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 36 लोगों की मौत के मामले में न्यायिक जांच आयोग की करीब 600 पृष्ठ की रिपोर्ट में जलापूर्ति व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी की गंभीर खामियां सामने आई हैं। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुशील गुप्ता की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने माना है कि क्षेत्र के लोगों को ऐसा पानी उपलब्ध कराया जा रहा था, जो पीने योग्य नहीं था। आयोग के अनुसार यह अचानक हुई ऐसी त्रासदी नहीं थी, जिसे रोका न जा सकता हो। पानी और सीवरेज व्यवस्था की निगरानी में कमी, लापरवाही और विभिन्न स्तरों पर हुई चूकों के कारण हालात बिगड़े।

रिपोर्ट में मुख्य जांच करीब 150 पृष्ठ की है, जबकि शेष दस्तावेजों में मरीजों के उपचार और बयान, शव परीक्षण रिपोर्ट, नगर निगम की पाइपलाइन से संबंधित अभिलेख और निविदा दस्तावेज शामिल हैं। मामले में मंगलवार को इंदौर उच्च न्यायालय की नई खंडपीठ में सुनवाई कुछ मिनट बाद टल गई। अब 21 सितंबर को सुनवाई होगी।

2019 में ही मिल गई थी चेतावनी

आयोग ने 8 फरवरी 2019 की प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट को महत्वपूर्ण माना है। इसमें भागीरथपुरा के 60 नलकूपों और हैंडपंपों के पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई थी। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि ऐसे पानी से स्वास्थ्य संबंधी खतरा हो सकता है और उचित क्लोरीनीकरण के बाद ही इसका उपयोग किया जाना चाहिए। आयोग के मुताबिक इस चेतावनी के बाद तत्कालीन निगम आयुक्त और अपर आयुक्त स्तर से समय पर प्रभावी कार्रवाई किए जाने का ठोस अभिलेख नहीं मिला।

पानी-सीवर पाइपलाइन की निगरानी पर सवाल

जांच रिपोर्ट में पेयजल और सीवरेज नेटवर्क की संरचना, रखरखाव और निगरानी पर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने कहा कि दोनों पाइपलाइनों के बीच निर्धारित दूरी और सुरक्षा मानकों का पालन जरूरी है। पाइपलाइनों के आपस में मिलने वाले स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने, सीवर लाइन को पानी की लाइन से नीचे रखने, गलत जोड़ रोकने तथा पानी में सीवर के पानी के वापस आने और रिसाव की नियमित निगरानी की जरूरत बताई गई है। भागीरथपुरा में व्यवस्था सुधार से जुड़े कामों की प्रक्रिया में भी देरी सामने आई। 15 अक्टूबर 2025 को अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया के स्तर पर चर्चा हुई।

भोपाल कमिश्नर का बड़ा फैसला-

पुलिस लाइन के हवलदार से निरीक्षक तक को मिली केस डायरी, तय होगी जवाबदेही

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल की पुलिस लाइन को अब केवल अटैचमेंट या आरामगाह नहीं माना जाएगा। भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने पुलिस लाइन की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधान आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों और कर्मचारियों को सीधे विवेचना की जिम्मेदारी सौंप दी है। इस व्यवस्था के तहत पुलिस लाइन में पदस्थ 44 अधिकारी और कर्मचारियों को थानों में लंबित मामलों की केस डायरी दी गई है। खासकर ये डायरी धोखाधड़ी के अपराधों की हैं। सभी को निर्धारित समय सीमा में विवेचना पूरी कर चालान पेश करना होगा। अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से जहां लंबित मामलों का जल्द निराकरण होगा, वहीं पुलिस लाइन में कार्य संस्कृति भी पूरी तरह बदल जाएगी।

पुलिस लाइन को अभी तक लूपलाइन माना जाता रहा है। पुलिस लाइन को ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता था, जहां फील्ड से हटाए गए या नई पोस्टिंग का इंतजार कर रहे अधिकारी-कर्मचारी अपेक्षाकृत कम जिम्मेदारी निभाते थे। कई बार यहां तैनाती को आरामदायक पोस्टिंग भी माना जाता था। लेकिन पुलिस कमिश्नर के इस फैसले ने यह धारणा बदलने की शुरुआत कर दी है।

पीड़ितों को समय पर मिलेगा न्याय

पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार, नई व्यवस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य पुलिस बल में उपलब्ध अनुभवी मानव संसाधन का बेहतर उपयोग करना है। पुलिस लाइन में ऐसे कई अधिकारी और कर्मचारी पदस्थ हैं, जिन्होंने वर्षों तक थानों में विवेचना और कानून-व्यवस्था का काम किया है। अब उनके अनुभव का उपयोग लंबित मामलों के निपटारे में किया जाएगा। इससे थानों में तैनात विवेचना अधिकारियों का कार्यभार भी कम होगा और पीड़ितों को समय पर न्याय भी दिलाया जा सकेगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को केस डायरी सौंपी गई है, उनकी विवेचना की नियमित मॉनिटरिंग होगी। जांच की गुणवत्ता, समय सीमा का पालन और न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले चालान की स्थिति की समीक्षा वरिष्ठ अधिकारी करेंगे।

पुलिस लाइन की बदलेगी पहचान

यदि यह प्रयोग सफल रहा तो पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे न केवल लंबित प्रकरणों का तेजी से निराकरण होगा, बल्कि पुलिस लाइन की पहचान भी एक निष्क्रिय इकाई से बदलकर सक्रिय विवेचना केंद्र के रूप में स्थापित हो सकती है। यही कारण है कि पुलिस आयुक्त का यह फैसला इन दिनों विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दो दिवसीय उद्यम समागम 2026 का आयोजन 2 अक्टूबर से इंदौर में

भोपाल। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने लघु उद्योग भारती के उद्यम समागम 2026 के कैलेण्डर का विमोचन किया। लघु उद्योग भारती द्वारा 2-3 अक्टूबर को इंदौर में उद्योग समागम आयोजित किए जाने की संभावना है। इस अवसर पर मंत्रीकाश्यप को लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियो ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित भी किया गया। मंत्री श्री काश्यप ने इस आयोजन में एमएसएमई विभाग के पूर्ण सहयोग एवं सहभागिता का आश्वासन संगठन को दिया। लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी एवं मध्य भारत प्रांत के महामंत्री विनोद नायर उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन की रिव्यू पिटीशन भी सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

79 वर्ष पूरे होते ही 20% अतिरिक्त पेंशन का लाभ एसोसिएशन बोला-तत्काल आदेश जारी करे सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के वृद्ध पेंशनरों को 80 वर्ष की आयु में प्रवेश की तारीख से 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन मिलने का रास्ता साफ होने का दावा पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने किया है। एसोसिएशन ने राज्य शासन से इस संबंध में तत्काल आदेश जारी कर पात्र पेंशनरों को लाभ देने और पूर्व में वंचित पेंशनरों को एरियर्स का भुगतान करने की मांग की है।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि 80 वर्ष की आयु में प्रवेश की तारीख से 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ देने को लेकर उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में रिट याचिका क्रमांक 7424/2022 दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने पेंशनरों के पक्ष में निर्णय दिया था। इसके विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (सी) क्रमांक 2414/2024 दाखिल की, जिसे 17 सितंबर 2024 को खारिज कर दिया गया। एसोसिएशन के अनुसार, इसके बाद शासन की ओर से दायर रिव्यू पिटीशन डायरी नंबर 59076/2024 को भी सुप्रीम कोर्ट ने 20 मार्च 2025 को खारिज कर दिया। संगठन का कहना है कि इसके साथ ही इस मामले में राज्य शासन की ओर से उठाया गया न्यायिक विवाद समाप्त हो गया है और हाईकोर्ट का मूल निर्णय प्रभावी हो गया है।

न्यायालय जाने की जरूरत नहीं

एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि अब पात्र वृद्ध पेंशनरों को अपने अधिकार के लिए अलग-अलग न्यायालय जाने के लिए मजबूर करना उचित नहीं होगा। शासन को हाईकोर्ट के निर्णय को सभी पात्र पेंशनरों पर समान रूप से लागू करना चाहिए, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को अनावश्यक कानूनी प्रक्रिया और खर्च से राहत मिल सके।

मेट्रो एंकर

रेस्को मॉडल पर 377 किलोवाट क्षमता के प्लांट किए जाएंगे स्थापित

शासकीय कॉलेजों-यूनिवर्सिटीज में लगेंगे सौर ऊर्जा संयंत्र

पुराने बिजली बिलों का पूरा भुगतान करने के बाद शुरू होगा काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के भवनों पर अब सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश जारी किए हैं।

योजना के तहत सरकारी महाविद्यालयों और अन्य शासकीय भवनों पर बिना किसी प्रारंभिक निवेश के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। इससे संस्थानों को बिजली वितरण कंपनी से मिलने वाली बिजली की तुलना में कम दर पर बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

बकाया बिजली बिलों का भुगतान अनिवार्य

विभाग ने स्पष्ट किया है कि सौर संयंत्र स्थापित करने से पहले संबंधित शासकीय महाविद्यालयों या विश्वविद्यालयों को अपने पुराने बिजली बिलों का पूरा भुगतान करना होगा। जिन संस्थाओं के बिजली बिल का भुगतान आहरण एवं संवितरण अधिकारी के माध्यम से नहीं होता, उनके लिए भुगतान सुरक्षा की व्यवस्था तैयार की जाएगी। विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा का कहना है कि सभी महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सौर संयंत्र स्थापित होने के बाद संस्थानों की बिजली लागत में कमी आने की उम्मीद है।

377 किलोवाट क्षमता के स्थापित होंगे संयंत्र

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय भवनों पर कुल 377 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने हैं। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम ने सभी जिलों में रेस्को पद्धति से संयंत्र स्थापित करने के लिए निविदा जारी कर वेंडर्स का चयन किया है। जिलेवार निर्धारित दरों और चयनित वेंडर्स की जानकारी भी संबंधित महाविद्यालयों को उपलब्ध कराई गई है। रेस्को मॉडल में सौर संयंत्र लगाने और उसके संचालन की जिम्मेदारी चयनित वेंडर्स की होगी।

60 दिनों के भीतर पूरा होगा सर्वे-त्रिपक्षीय समझौते के बाद शुरू होगा काम- चयनित वेंडर्स को आदेश मिलने के बाद 60 दिनों के भीतर संबंधित जिले में चिन्हित भवनों का सर्वे पूरा करना होगा। सर्वे के दौरान भवनों और छतों की उपयुक्तता समेत अन्य जरूरी बिंदुओं का परीक्षण किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ), सौर वेंडर्स और मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के बीच त्रिपक्षीय बिजली खरीद समझौता किया जाएगा। इसके बाद सौर संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

सड़कों पर ठहरती बारिश

आसमान जब खुलकर बरसता है तो खेत मुस्कुराते हैं, नदियां भरती हैं और धरती की प्यास बुझती है। लेकिन यही बारिश जब शहरों की सड़कों पर ठहर जाती है, घरों में घुस जाती है और पुल-पुलियों को चुनौती देने लगती है, तब सवाल बादलों से नहीं, हमारी व्यवस्था से पूछा जाना चाहिए। देश के बड़े हिस्से में सक्रिय मौसम प्रणालियों के बीच भारी बारिश की चेतावनी ने एक बार फिर हमारी आपदा तैयारियों की असल तस्वीर सामने ला दी है। मौसम विभाग ने 11 सितंबर तक उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र इस खतरे को और बढ़ा रहा है। चिंता इसलिए भी अधिक है कि मानसून के इस पड़ाव तक जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है। अनेक नदियां और जलाशय उफान पर हैं। ऐसे में अतिरिक्त बारिश का पानी जमीन में समाने के बजाय तेजी से बहकर बस्तियों, खेतों और सड़कों की ओर पहुंच सकता है। उत्तर प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों में बाढ़ जैसे हालात, वहीं उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश से पैदा हुई मुश्किलें बताती हैं कि प्रकृति का दबाव लगातार बढ़ रहा है। पहाड़ों में भूस्खलन का खतरा है तो मैदानी इलाकों में नदियों के बढ़ते जलस्तर की चिंता। शहरों में स्थिति अलग नहीं। वहां बारिश का पानी नदियों की तरह बहता नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमजोरियों में फंसकर सड़कों पर ठहर जाता है। यही वह बिंदु है जहां बारिश प्राकृतिक घटना से निकलकर प्रशासनिक चुनौती बन जाती है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों के दावे सुनाई देते हैं। लेकिन पहली बड़ी बारिश होते ही सड़कें तालाब और बस्तियां जलमग्न नजर आने लगती हैं। हमने शहरों को कंक्रीट से तो भर दिया, लेकिन पानी के लिए रास्ते छोड़ना भूल गए। तालाब सिकुड़े, प्राकृतिक जलप्रवाह बाधित हुए और हरित क्षेत्र लगातार कम होते गए। अब समय केवल नालों की सफाई के वार्षिक अभियान से आगे बढ़ने का है। शहरों की योजना बनाते समय प्राकृतिक जलप्रवाह, तालाब, जलाशय और हरित क्षेत्रों को विकास का हिस्सा बनाना होगा। मौसम विभाग की चेतावनी को भी महज सूचना नहीं, बल्कि तत्काल कार्रवाई का संकेत मानना होगा।

जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड ने हड़कंप मचा दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 112 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं। मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रशासन ने एहतियातन इलाके की छह शराब दुकानों को सील कर दिया है। पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, मौतों के आंकड़े को लेकर सियासत भी गरमा गई है।

अभी अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर में भी नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

शराबबंदी वाले राज्यों में तस्करी का सिलसिला अधिक गंभीर है, अभी समस्तीपुर बिहार में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दिल्ली से आ रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास एसी कोच से 75 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में एक युवती नेहा और उसके जीजा को गिरफ्तार किया गया है।

जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? भावनगर शराब कांड में पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्यवार ऐसी मौतों का दस्तावेजीकरण करता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है।

संदिग्ध शराब पीने के बाद उल्टी, चक्कर, दृष्टि धुंधली होने वा अन्य परेशानी के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। कई बार इलाज में देर भी मौतों की संख्या बढ़ा देती है। मरने वाला किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य, बेटा, पिता या भाई होता है। उसके जाने के बाद परिवार केवल भावनात्मक नहीं बल्कि आर्थिक संकट में भी डूब जाता है। देश में तकनीक बड़ी है, पुलिस के पास आधुनिक संसाधन हैं, राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से आसान हुआ है। ऐसे में यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अवैध शराब की पेटियां एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचे और व्यवस्था को भनक तक न लगे। सागर व भावनगर की घटना फिर चेतावनी दे रही है कि नकली शराब केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा का प्रश्न है। कार्रवाई तब सार्थक होगी जब अगली त्रासदी होने से पहले अपराधी नेटवर्क खत्म किया जाए। हर घटना के बाद वही सवाल पूछने की मजबूरी आखिर कब समाप्त होगी, कब थमेगा जहरीली शराब का कहर और कब बंद होगा बेगुनाहों की मौतों का यह सिलसिला। एक मौत पूरे परिवार को मार देती है कई बार परिवार के एक मात्र कमाने वाले सदस्य की मौत से पूरा परिवार प्रभावित होता है। सरकार को इन मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भाषाई पुनर्गठन: विविधता को स्वीकार करने से मजबूत हुई भारतीय एकता

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को स्थायी बनाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण भी करना था जिसमें भाषा, संस्कृति, परंपरा और क्षेत्रीय पहचान की असाधारण विविधता के बावजूद राष्ट्रीय एकता कायम रहे। ब्रिटिश शासन से विरासत में मिली प्रांतीय सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा और औपनिवेशिक हितों के अनुरूप थीं। इनमें अनेक क्षेत्रों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग स्वाभाविक रूप से उठी।

हालाँकि शुरुआती दौर में राष्ट्रीय नेतृत्व भाषाई राज्यों को लेकर आशंकित था। विभाजन की त्रासदी अभी ताजा थी और यह भय था कि यदि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया तो क्षेत्रीय पहचान राष्ट्रीय पहचान पर हावी हो सकती है। किंतु भारतीय लोकतंत्र की विशेषता यही रही कि उसने इन आकांक्षाओं को दबाने के बजाय संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से समायोजित करने का रास्ता चुना। समय ने सिद्ध किया कि भाषाई पहचान को सम्मान देना भारत की एकता के लिए खतरा नहीं, बल्कि उसकी मजबूती का आधार बन सकता है।

भाषाई पहचान की राजनीतिक स्वीकार्यता स्वतंत्रता से पहले ही दिखाई देने लगी थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने प्रांतीय संगठनों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया था। इसका उद्देश्य यह था कि जनता से संवाद उनकी भाषा और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में बेहतर ढंग से हो सके। लेकिन स्वतंत्रता और विभाजन के बाद परिस्थितियाँ बदल गईं। राष्ट्रीय नेतृत्व तत्काल किसी बड़े क्षेत्रीय पुनर्गठन के पक्ष में नहीं था। 1948 में गठित धार आयोग ने तत्काल भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की अनुशंसा नहीं की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की सदस्यता वाली जेवीपी समिति ने भी 1949 में राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक स्थिरता और नवगठित राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उस समय यह सावधानी समझ में आती थी, क्योंकि देश राजनीतिक संक्रमण और सामाजिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था। लेकिन जन आकांक्षाओं को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता था। आंध्र क्षेत्र में तेलुगु भाषी जनता के लिए अलग राज्य की मांग तेज होती गई। पोट्टि श्रीरामुलु के 1952 के आमरण अनशन और उनकी मृत्यु ने इस आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। व्यापक जनदबाव के बाद 1953 में आंध्र राज्य का गठन हुआ। यह घटना केवल एक राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों की मांग को गति दी। इसके बाद सरकार ने समस्या का व्यापक और संस्थागत समाधान खोजने का प्रयास किया। 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग, जिसकी अध्यक्षता फज़ल अली ने की, ने भाषाई और सांस्कृतिक आकांक्षाओं के साथ-साथ प्रशासनिक, आर्थिक तथा भौगोलिक व्यवहार्यता पर भी विचार किया। आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम तथा संविधान का सातवाँ संशोधन लागू हुआ। इसके परिणामस्वरूप भारत के प्रशासनिक मानचित्र में व्यापक बदलाव आया और 14 राज्यों तथा छह केंद्रशासित प्रदेशों की व्यवस्था अस्तित्व में आई। भाषाई राज्यों का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि उन्होंने क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय पहचान के बीच टकराव को कम किया। जब किसी समुदाय को अपनी भाषा, संस्कृति और स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक पहचान मिली तो अलगाव की भावना कमजोर हुई। लोगों को यह विश्वास मिला कि भारतीय संघ उनकी विशिष्ट पहचान को समाप्त करने के बजाय उसका सम्मान करता है।

भाषाई पुनर्गठन का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ प्रशासनिक स्तर पर दिखाई दिया। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शासन-प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता ने राज्य और नागरिक के बीच दूरी कम की। लोकतंत्र तभी प्रभावी होता है जब नागरिक शासन की भाषा और प्रक्रिया को समझ सके। क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशासन ने सामान्य नागरिकों की भागीदारी को अधिक सहज बनाया।

इस व्यवस्था ने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को भी व्यापक बनाया। स्थानीय भाषा बोलने वाले राजनीतिक नेतृत्व को राज्य स्तर पर उभरने का अवसर मिला। इससे राजनीति अधिक जनसरोकारों से जुड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनीं। भाषाई राज्यों ने यह भी सिद्ध किया कि संघीय व्यवस्था में अलग-अलग क्षेत्रीय पहचानें राष्ट्रीय एकता के साथ सह-अस्तित्व रख सकती हैं।

भारत का पुनर्गठन 1956 पर समाप्त नहीं हुआ। बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार राज्यों की सीमाओं में आगे भी परिवर्तन हुए। 1960 में महाराष्ट्र और गुजरात का गठन तथा 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के साथ हरियाणा का निर्माण इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट हुआ कि भारतीय संघ कोई स्थिर और अपरिवर्तनीय प्रशासनिक ढाँचा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को ढालने वाली व्यवस्था है।

हालाँकि भाषाई राज्यों की सफलता का अर्थ यह नहीं कि भाषाई अस्मिता से जुड़ी सभी चुनौतियाँ समाप्त हो गईं। भाषाई बहुसंख्यकवाद, अल्पसंख्यक भाषाओं की उपेक्षा और क्षेत्रीय श्रेष्ठताबोध जैसी प्रवृत्तियाँ संघीय सद्भाव के लिए चुनौती बन सकती हैं। इसलिए भाषाई पहचान के संरक्षण के साथ भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा भी आवश्यक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संवैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यमों से सुना जाए। किसी भी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्र-विरोधी मानना उतना ही अनुचित है जितना क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय पहचान से ऊपर रखना। सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन ही भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति है। भाषाई पुनर्गठन भारत के राष्ट्र-निर्माण की एक विशिष्ट उपलब्धि है। इसने यह महत्वपूर्ण सबक दिया कि विविधता को दबाकर एकता कायम नहीं की जा सकती। भारत ने अपनी भाषाई विविधता को संवैधानिक ढाँचे में स्थान देकर यह सिद्ध किया कि एकता समानता थोपने से नहीं, बल्कि विविधताओं को सम्मानपूर्वक समायोजित करने से मजबूत होती है। यही लचीला संघवाद आज भी भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बीपी कंट्रोल और तनाव कम करने में सहायक हो सकता है पालतू कुत्ते का साथ

आज का ज्यादातर युवा ऑफिस में लैपटॉप के आगे घंटों समय व्यतीत करता है। घंटों बैठे रहने की वजह से लोगों में डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। इसके अलावा, काम का बढ़ता स्ट्रेस, नींद की कमी, खानपान की गलत आदतें ब्लड प्रेशर को अनियमित करने में योगदान देती हैं। ऐसे में विशेषज्ञ और कई स्टडी बताती हैं कि घर में पालतू जानवर के साथ समय बिताने से व्यक्ति की सेहत में कई तरह के बदलाव देखे जाते हैं। यह आदत आपके ब्लड प्रेशर के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

एनआईएच के अनुसार पालतू जानवर के साथ खेलना, उसे सहलाना या उसके साथ कुछ समय बिताना शरीर में ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे हार्मोन बढ़ाने में मदद कर सकता है। इससे मन शांत होता है और तनाव कम महसूस होता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि पालतू जानवर के साथ इंटरैक्शन के दौरान हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर में हल्की कमी देखी गई। हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज सबसे प्रभावी उपायों में से एक मानी जाती है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार जिन लोगों के पास डॉग या अन्य पालतू जानवर होता है, वे अक्सर उसे घुमाने के लिए रोजाना बाहर निकलते हैं। इससे उनकी रोजमर्रा की शारीरिक गतिविधि बढ़ जाती है। तेज चाल से 30 मिनट की वॉक हृदय की कार्यक्षमता बेहतर बनाने, वजन नियंत्रित रखने और ब्लड प्रेशर कम करने में मदद कर सकती है। कई शोध बताते हैं कि डॉग ओनर्स अन्य लोगों की तुलना में अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाते हैं।

मेंटल हेल्थ अमेरिका के अनुसार पालतू जानवर व्यक्ति को भावनात्मक सहारा देते हैं। विशेष रूप से अकेले रहने वाले बुजुर्गों या घर से काम करने वाले लोगों में यह मानसिक संतुलन बनाए रखने में मददगार हो सकते हैं। डॉग या कैट के साथ नियमित समय बिताने से सामाजिक जुड़ाव की भावना बढ़ती है और अकेलापन कम महसूस होता है। हालांकि इसका प्रभाव हर व्यक्ति में समान नहीं होता। यदि किसी व्यक्ति को पहले से गंभीर मानसिक बीमारी है, तो केवल पालतू जानवर के साथ समय बिताना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता। विशेषज्ञ बताते हैं कि केवल पालतू जानवर के साथ रहने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं होता है। इसे आप सहायक थेरेपी के रूप में देख सकते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार आप ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए जीवनशैली में कुछ चीजों को शामिल कर सकते हैं जिनमें डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं नियमित लेना, नमक का सीमित सेवन, रोज कम से कम 150 मिनट की एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद, धूम्रपान और शराब से दूरी, वजन नियंत्रित रखना और तनाव प्रबंधन, आदि शामिल हैं।

निशाना

काम इंसानियत के कर बाबा

धर्मराज देशराज

काम इंसानियत के कर बाबा
सबको जाना है रब के घर बाबा।
ज़िन्दगी दे रहे शजर बाबा
क्यूँ है इन्सान बेख़बर बाबा।
गुल मुहब्बत के ही दिखा या-रब
जाये जिस और भी नज़र बाबा।
इक मुसाफिर है आदमी जग में
छोड़ना होगा ये नगर बाबा।
ज़िन्दगी आज में जियो खुलकर
कल की किसको यहाँ ख़बर बाबा
साथ सुख-दुख कभी नही छोड़ें
ज़िन्दगी का अज़ब सफ़र बाबा।
साथ दुश्मन तू 'धरम' को रख ले
वो भी जायेगा कुछ सुधर बाबा।

टेक्नो अपडेट

Jio का 1600 सैटेलाइट्स का स्पेस प्लान, भारत में इस साल से शुरू होगी सर्विस

रिलायंस जियो अंतरिक्ष से हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के एक कदम और नजदीक आने की तैयारी में है। दरअसल स्टारलिंक और अमेजन के कुइपर को टक्कर देने के लिए Jio 1600 सैटेलाइट्स का अपना लो अर्थ ऑर्बिट नेटवर्क तैयार कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले साल सितंबर में कंपनी पहली टेस्ट फ्लाइट भरने को तैयार है। इसका मकदस देश का अपना सैटेलाइट नेटवर्क खड़ा करना और दूर स्थित दुर्गम इलाकों में तेज हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2028 तक कंपनी अपनी सर्विस भी शुरू कर सकती है।

Jio की सैटेलाइट्स स्टारलिंक और Amazon की सैटेलाइट्स से ऊपर स्थापित की जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार इसके लिए 650 किमी की ऊंचाई को चुना गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि 640 से 700 किमी के बीच का दायरा खाली है और वहां कोई अन्य बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क नहीं है। इससे Jio को सिगनल में बिना किसी रुकावट के ऑर्बिटल स्लॉट आसानी से मिल सकेंगे। Jio की तैयारी फिक्स्ड ब्रॉडबैंड के साथ-साथ सीधे मोबाइल पर काम करने वाली डायरेक्ट-टू-डिवाइस सैटेलाइट सर्विस देगी। इसके लिए देश भर में 20 से 22 ग्राउंड स्टेशन बनाए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले साल सितंबर में Jio टेस्ट फ्लाइट में अपनी कुछ सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजेगा। इस टेस्ट फ्लाइट में हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकों को परखा जाएगा। इस सफल परीक्षण के बाद 2028 की शुरुआत में बड़े पैमाने पर सैटेलाइट्स की तैनाती होगी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कंपनी 2030 तक 400 से 450 सैटेलाइट लॉन्च करने और 2035 तक सभी 1,600 सैटेलाइट्स का नेटवर्क तैयार करने की तैयारी में है।

फिलहाल Jio को भारतीय अंतरिक्ष नियामक IN-SPACe से हरी झंडी मिल चुकी है। अब जियो ने ऑर्बिट स्लॉट और रेडियो फ्रीक्वेंसी हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था ITU में आवेदन किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्ट लॉन्च से दो से तीन तिमाहियों में 90 से 100 सैटेलाइट्स भेजे जाएंगे। ऐसे में 2028 की शुरुआत में भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मिलना शुरू हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक Jio की हर सैटेलाइट 100 से 150 Gbps की थ्रूपुट क्षमता दे सकेगी। नेटवर्क के पूरा हो जाने के बाद भारत के ऊपर 30 से 32 सैटेलाइट्स मौजूद रहेंगे, जो कुल 4 से 4.8 Tbps की क्षमता रखेंगे।

अजब - गजब

भारत के जंगल में मिले पांच ओरंगुटान, 4000 किलोमीटर दूर से पहुंचना आश्चर्यजनक

ओडिशा के बालेश्वर जिले के जंगल में ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने ग्रामीणों से लेकर वन विभाग के अधिकारियों तक को हैरान कर दिया। बिचित्रपुर के पास जंगल में पांच छोटे ओरंगुटान घूमते हुए दिखाई दिए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो जानवर भारत के जंगलों में प्राकृतिक रूप से पाए ही नहीं जाते, वे आखिर यहां पहुंचे कैसे?

बड़ापाही गांव के पास सुबह करीब छह बजे ग्रामीणों ने पेड़ों के बीच इन अजीब दिखने वाले जानवरों को देखा। पहले तो लोग उन्हें पहचान ही नहीं पाए। उनकी शक्ल और पेड़ों पर चढ़ने-उतरने का तरीका देखकर लोगों की भीड़ जुटने लगी। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग जंगल के आसपास जमा हो गए और मोबाइल फोन से उनके वीडियो बनाने लगे। मामले की सूचना वन विभाग को दी गई। इसके बाद अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और पांचों ओरंगुटान को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर लिया। उन्हें उदयपुर वन विभाग के कार्यालय लाया गया, जहां उनकी निगरानी की जा रही है। पशु चिकित्सकों की टीम ने भी उनकी स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी है।

इंडोनेशिया-मलेशिया हैं इनका घर: ओरंगुटान कोई सामान्य बंदर नहीं बल्कि संकटग्रस्त प्राइमेट प्रजाति है। ये मुख्य रूप से इंडोनेशिया के बोर्नियो और सुमात्रा तथा मलेशिया के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं। भारत के किसी भी जंगल में इनका प्राकृतिक आवास नहीं है। यही वजह है कि बालेश्वर के जंगल में पांच ओरंगुटान का एक साथ मिलना वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए भी बेहद असामान्य घटना है।

वन अधिकारियों के मुताबिक इनके प्राकृतिक रूप से ओडिशा पहुंचने की संभावना बेहद कम है। दोनों क्षेत्रों के बीच करीब 4000 किलोमीटर की दूरी है और ऐसा कोई प्राकृतिक वन्यजीव गलियारा भी नहीं है, जिससे ओरंगुटान अपने आप यहां तक पहुंच सकें। इसलिए अब जांच का मुख्य सवाल इनके स्रोत और भारत पहुंचने का रास्ता है।

जांच में जुटा वन विभाग: वन विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि कहीं इन ओरंगुटानों को अवैध वन्यजीव व्यापार के जरिए भारत तो नहीं लाया गया था। अधिकारियों ने इनके मूल स्थान और यहां तक पहुंचने की पूरी कड़ी का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी और दुर्लभ वन्यजीवों की अवैध तस्करी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा कारोबार है। फिलहाल पांचों जानवर वन विभाग की निगरानी में हैं। स्वास्थ्य परीक्षण और जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें भुवनेश्वर के नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क में भेजे जाने की तैयारी है।

कोयले के 'काले खेल' पर पुलिस का प्रहार- 200 टन कोयले सहित 5 टेलर जब्त

'ए-ग्रेड' कोयले की जगह सरकारी पावर प्लांटों में खप रहा था थर्ड क्वालिटी का मिलावटी कचरा, बेधड़क चल रहा था महाघोटाला

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के सख्त तेवरों के बाद जिले भर में खनिज माफियाओं के खिलाफ सघन अभियान छेड़ दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम और एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस ने रणनीतिक नाकाबंदी की।मुखबिर से सटीक इनपुट मिला था कि खेडिया क्रेशर के रास्ते भारी वाहनों से कोयले की अवैध खेप सुनसान रास्तों से गुजारी जा रही है। रात्रि करीब 01:30 बजे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बेलियाछोट की ओर से आ रहे 05 संदिग्ध दैत्याकार टेलरों को फिल्मी अंदाज में रोक लिया। दस्तावेजों की जांच में वाहन चालक रूट बदलने, बिल और कोयले की ढुलाई से जुड़े वैध कागजात दिखाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए। पुलिस ने बिना देर किए 200 टन कोयले से लदे पांचों टेलरों को तत्काल जब्त कर चालकों को हिरासत में ले लिया और कड़ा शिकंजा कसा।

एक्सपायर टीपी और चोर रास्तों से हो रही ढुलाई

जब्त किए गए प्रत्येक टेलर में लगभग 40-40 टन यानी कुल 200 टन उच्च गुणवत्ता वाला बेशकीमती कोयला भरा हुआ पाया गया। आधिकारिक चालान और परमिट के मुताबिक इन सभी गाड़ियों को डोला होकर सीधे बिजुरी

साइडिंग के तयशुदा मार्ग से पहुंचना था। जांच में खुलासा हुआ कि निगरानी से बचने के लिए माफिया इन वाहनों को बेलियाछोट के सुनसान और अनाधिकृत चोर रास्तों से दौड़ा रहा था।सबसे बड़ा और चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि दो भारी वाहनों की टीपी (ट्रांसपोर्ट परमिट) की समय-सीमा पहले ही खत्म हो चुकी थी। एक्सपायर टीपी पर बेधड़क कोयला ढोना यह साबित करता है कि इस सिंडिकेट को ऊंचे रसूख और जिम्मेदारों का खुला संरक्षण प्राप्त था। बिजुरी पुलिस ने नियमों की धज्जियां उड़ाने पर धारा 18(1)(5) म.प्र. खनिज अधिनियम के तहत सख्त प्रकरण दर्ज कर वाहनों को थाने में खड़ा कराया।

बिहार और कटनी के चालकों पर कसा शिकंजा, अंतर्राज्यीय नेटवर्क का खुलासा

बिजुरी पुलिस ने मौके से जिन पांचों टेलर जब्त किए हैं। पकड़े गए चालकों में शेख रमजान (कटनी), अमर सिंह (कटनी), राजेन्द्र रैदास (उमरिया) और हीरा सिंह (अनूपपुर) को दबोचा गया है।वहीं एक टेलर का चालक प्रदीप कुमार सिंह सीधे बिहार के औरंगाबाद जिले का रहने वाला निकला, जिससे अंतरराज्यीय तार जुड़े होने की पुष्टि हुई।बाहरी राज्यों और जिलों के ड्राइवरों का इस सिंडिकेट में शामिल होना बताता है कि कोयले की यह संगठित तस्करी कई राज्यों में फैली हुई है।थाना प्रभारी विकास सिंह, एसआई विपुल शुक्ला, एएसआई प्रदीप अग्निहोत्री और पुलिस टीम ने सभी वाहनों को थाने के कड़े पहरे में रखवाया है।पुलिस ने विधिवत इस्तगासा तैयार कर दंडात्मक और वैधानिक कार्रवाई के लिए पूरा मामला कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) अनूपपुर को प्रेषित किया। इस पूरी धरपकड़ के पीछे छिपा असली सच यह है कि सरकारी पावर प्लांटों को मिलने वाले कोयले में सुनियोजित मिलावट का खेल जारी है। एसईसीएल की खदानों से शासकीय थर्मल पावर प्लांटों के लिए कागजों पर बेहतरीन क्वालिटी का प्रीमियम 'ए-ग्रेड' कोयला उठाया जाता है। कोल साइडिंग और रास्तों में सक्रिय माफिया इस उच्च गुणवत्ता वाले कोयले को खाली कर उसमें थर्ड क्वालिटी का रद्दी कोयला और पत्थर मिला देते हैं।

एसपी के निर्देश हैं कि जिले में अवैध खनिज परिवहन पर जीरो टॉलरेंस रहेगा। रूट बदलकर और एक्सपायर्ड टीपी के सहारे कोयले की हेराफेरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पांचों टेलर जब्त कर कलेक्टर कार्यालय खनिज शाखा भेजे गए हैं। अवैध कारोबारियों के खिलाफ बिजुरी पुलिस का यह सख्त एक्शन आगे भी लगातार जारी रहेगा साथ आपके द्वारा साइडिंग में कोयले के ग्रेडिंग भंडारण संबंधित जानकारी दी गई है निश्चित तौर पर जांच कार्यवाही की जाएगी।

-विकास सिंह, थाना प्रभारी बिजुरी

न्यूज विंडो

नौकरी के आखिरी पड़ाव में परीक्षा का विरोध, कर्मचारियों ने उठाई टीईटी रद्द करने की मांग

गंजबासौदा। सेवारत शिक्षकों से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) कराए जाने के विरोध सहित कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रांतीय आह्वान पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम दो अलग-अलग ज्ञापन अनुभागीय अधिकारी को सौंपे। तहसील अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि नौकरी के अंतिम पड़ाव में पहुंच चुके शिक्षकों को अपनी सेवा बचाने के लिए परीक्षा देना पड़ रहा है, जो कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय है। संघ ने सेवारत शिक्षकों से ली जा रही टीईटी परीक्षा निरस्त करने और इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार से आवश्यक अध्यादेश लाने की मांग की। दूसरे ज्ञापन में 25 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

साप्ताहिक जनसुनवाई में 26 आवेदन मिले, एसपी ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई हुई। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा थोटा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई में कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी मामले, धोखाधड़ी और अन्य व्यक्तिगत शिकायतें शामिल थीं। एसपी ने आवेदकों की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों (एसडीओपी) और थाना प्रभारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने को कहा है।

अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

छतरपुर। जिले में लवकुशनगर पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में संचालित दो अवैध हथियार फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दोनों स्थानों से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तैयार और अधबने देशी कट्टे, हथियारों की नाल और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी व अन्य सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ऑर्डर पर देशी कट्टे तैयार कर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सप्लाई करते थे। पूछताछ के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि आरोपियों की नजर अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों के दौरान अवैध हथियारों की सप्लाई बढ़ाने पर थी।

पुलिस दबिश से पहले फरार हुआ आरोपी, वॉकी-टॉकी और सीसीटीवी कैमरे भी मिले, 30 गंभीर अपराध दर्ज

निगरानी बदमाश के घर शराब का जखीरा 53 पेटी में 464 लीटर अवैध शराब जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

देहात थाना पुलिस ने चंदन नगर रसूलिया में एक निगरानी बदमाश के मकान पर दबिश देकर 53 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जब्त शराब की कुल मात्रा 464.20 लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 4 हजार 6 रुपए बताई गई है। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मकान की छत के रास्ते फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चंदन नगर रसूलिया निवासी प्रशांत तिवारी उर्फ टमंटू अपने घर में बड़ी मात्रा में शराब रखकर बेच रहा है। सूचना पर देहात थाना पुलिस ने उसके मकान पर दबिश दी। पुलिस टीम को देखकर आरोपी छत के रास्ते भाग निकला।

मकान के अंदर के कमरों और बाथरूम में ताले लगे मिले। पुलिस ने गवाहों के समक्ष ताले तोड़कर तलाशी ली तो अलग-अलग कंपनियों की अंग्रेजी और देशी शराब की पेटियां मिलीं। इनमें 286.50 लीटर अंग्रेजी शराब और 178.20 लीटर देशी प्लेन शराब शामिल है। तलाशी में पुलिस को दो मोबाइल, दो वॉकी-टॉकी हैंडसेट और दो सीसीटीवी

कैमरे भी मिले। इसके अलावा आरोपी से संबंधित दस्तावेज और सावन ठाकुर नाम के व्यक्ति का पैनकार्ड, डेबिट कार्ड आदि भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की है।

प्रशांत तिवारी पर 30 अपराध दर्ज, दो बार हो चुका जिला बदर

पुलिस के मुताबिक प्रशांत तिवारी उर्फ टमंटू निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ नर्मदापुरम, भोपाल और नरसिंहपुर में गंभीर अपराध दर्ज हैं। नर्मदापुरम जिले में उसके खिलाफ हत्या का एक, हत्या के प्रयास का एक, लूट-डकैती के छह, बम फेंकने के दो, धोखाधड़ी के दो, आर्म्स एक्ट के दो, वसूली-अड़ीबाजी के चार, आबकारी अधिनियम के दो और मारपीट के 10 मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ कुल 30 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ पूर्व में दो बार जिला बदर और एक बार रासुका के तहत कार्रवाई भी हो चुकी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उषा मरावी, एसआई दीपक पाराशर, एसआई प्रवीण शर्मा समेत देहात थाना पुलिस की टीम की भूमिका रही।

इटारसी में शराब दुकानों और ढाबों की जांच, 4 प्रकरण दर्ज

इटारसी। जिले में अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में विभाग की टीम ने इटारसी औद्योगिक क्षेत्र में मदिरा दुकानों और ढाबों की जांच की। सहायक जिला आबकारी अधिकारी अभिलाष पाठक के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत चार प्रकरण दर्ज किए गए। विभाग की टीम ने शराब दुकानों और आसपास संचालित ढाबों में जांच की। कार्रवाई में वृत्त आबकारी उपनिरीक्षक केके पड़रिया, प्रधान आबकारी आरक्षक मदन रघुवंशी और दुर्गेश पठारिया की भूमिका रही।

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर सेमरीहरचंद में हुआ हादसा

बोलेरो-बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, 5 फीट नीचे जाकर पलटी बोलेरो, दो युवकों की मौत

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर सेमरीहरचंद में मंगलवार देर रात करीब 10.30 बजे पुलिया के मोड़ पर बोलेरो और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो बाइक को अपने साथ लेकर सड़क से करीब 5 फीट नीचे उतरकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बोलेरो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही सेमरीहरचंद चौकी प्रभारी विवेक यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से बोलेरो में फंसे घायल चालक को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए सोहागपुर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान चंद्रमोहन कुशवाह (25), निवासी चीचली, नरसिंहपुर और प्रमोद कुशवाह (30), निवासी खरचिली,

बनखेड़ी के रूप में हुई है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम आज कराया गया।

मोड़ पर स्पीड कंट्रोल नहीं होने की वजह से हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुलिया के मोड़ पर वाहनों की गति नियंत्रित नहीं होने के कारण हादसा होने की आशंका है। टक्कर के बाद बोलेरो सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बोलेरो को क्रेन की

मदद से सड़क पर पहुंचाया। हादसे के कारण कुछ देर तक मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही।

बासौदा की 8 साल की शिवाध्या का कमाल

200 सवाल, शानदार रफ्तार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर की नन्हीं प्रतिभा और अवनी अवेकस अकादमी की छात्रा 8 वर्षीय शिवाध्या पाठक ने अपनी तेज गणना और अद्भुत आंकलन क्षमता से राष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन किया है। शिवाध्या ने यूसीमास अर्थमैटिक सिस्टम की 25वीं नेशनल लेवल प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।

5 सितंबर को मुंबई के सिडको हॉल में आयोजित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 7000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को निर्धारित समय में 200 गणितीय प्रश्न हल करने थे। गंजबासौदा से 10 बच्चों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। इनमें शिवाध्या ने अपनी तेज रफ्तार और सटीक गणना का शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित समय में सभी 200 प्रश्न हल कर राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही शिवाध्या का चयन अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए हुआ है।

मेट्रो एंकर 'नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान' में वृक्षारोपण, ब्लॉक स्तर पर तैयार होगी कार्ययोजना

जनभागीदारी से संवरेगा नर्मदा तट, परिक्रमा वासियों को मिलेंगी सुविधाएं

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा के तटों को हरित आवरण से समृद्ध करने और नर्मदा परिक्रमा पथ पर परिक्रमा वासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 'नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान' को व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा। मंगलवार को जिला प्रशासन के सहयोग और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। दादा गुरु महाराज की अध्यक्षता में हुई

कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला में जिले से गुजरने वाले नर्मदा परिक्रमा पथ पर वृक्षारोपण, आश्रय स्थल, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने पर मंथन किया गया। अभियान में अधिक से अधिक लोगों और सामाजिक संस्थाओं को जोड़ने की रूपरेखा भी बनाई गई। इसी दौरान जिले में 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान' का शुभारंभ किया गया।

दादा गुरु महाराज ने कहा कि जनअभियान की सफलता सामूहिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी से ही संभव है। उन्होंने नर्मदा तटों के संरक्षण के लिए सेवा भाव से योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही गणेश उत्सव में मिट्टी या गोबर से निर्मित प्रतिमाओं को अपनाने की अपील की।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक विजयपाल सिंह और पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने भी अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की बात कही। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना स्टेशन बजरिया जिला भोपाल

क्रमांक अप.क्र 255/26 दिनांक-05/09/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि थाना स्टेशन बजरिया जिला भोपाल के अपराध क्रमांक 255/26 धारा 140(3) बीएनएस के क्रमांक अप. क्र 255/26 की गुमशुदा श्रीमति मीना बाई बाथम पति स्व. सुदामा प्रसाद बाथम उम्र 62 साल नि. म.न. 1423 गली न.04 कृष्णा नगर कन्ट्रोल के पास थाना स्टेशन बजरिया भोपाल जो दिनांक 03/09/2026 के शाम 05/00 बजे करीब घर से बिना बताये कही चली गई है जिनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता जिसका हुलिया गोरा कद करीबन 04 फूट 5 इंच चेहरा लंबा है। हरी साड़ी जिसमें काली बिंदी बनी हुई है तथा काले कलर का ब्लाऊस पहने है दाहिने हाथ में हिंदी में मीना कुमारी लिखा हुआ है। उपरोक्त गुमशुदा के बारे मे कोई जानकारी हो तो थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में सम्पर्क करें अथवा थाना को मोबाईल नम्बर 9479990523 या 7587601964 पर तत्काल सम्पर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना स्टेशन बजरिया भोपाल (म.प्र.)

जी-18280/26

तीन महिलाओं के कब्जे से मिली शराब, 25 डिब्बे महुआ लाहन मौके पर किया नष्ट

पांजी में अवैध शराब के तीन ठिकानों पर दबिश, 54 लीटर कच्ची शराब जब्त

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर जिले के बडा में जहरीली शराब की घटना घटने के बाद अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तेन्दूखेड़ा थाना पुलिस ने मंगलवार देर शाम ग्राम पांजी में कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन महिलाओं के कब्जे से कुल 54 लीटर कच्ची शराब जब्त की है पुलिस की कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति रही

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम पांजी में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई के दौरान तीन महिलाओं से क्रमशः 30 लीटर, 15 लीटर और 9 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। इस प्रकार कुल 54 लीटर अवैध कच्ची शराब पुलिस ने जब्त की इसके साथ ही मौके पर शराब बनाने के लिए तैयार किया गया करीब 25 डिब्बा महुआ लाहन भी बरामद हुआ, जिसे पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही नष्ट कराया गया पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में

अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका

इस कार्रवाई के दौरान जब्त शराब के संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर उप निरीक्षक गजराज सिह आरक्षक विजय दीक्षित आरक्षक नंदलाल कुर्मी आरक्षक कृष्णकांत आरक्षक महिला आरक्षक अमृता राजपूत सहित पुलिस स्टाफ मौजूद था

वहीं इस मामले में थाना प्रभारी सराज ठाकुर ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई होती रहेगी व अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्वालियर में आबकारी ने 22 को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। आबकारी विभाग द्वारा ग्वालियर संभाग में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई जारी है। इस दौरान संभाग के 8 जिलों-ग्वालियर, गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, मुरैना, भिण्ड, दतिया और श्योपुर में कुल 41 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी विभाग की उड़नदस्ता टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुल 257.62 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की। टीम ने भारी मात्रा में 4,680 किलोग्राम महुआ लाहन भी बरामद कर नष्ट किया, जिसमें सबसे बड़ी कार्रवाई ग्वालियर जिले में 2,000 किलोग्राम लाहन जब्त कर की गई।

शराब पीकर बिगड़ी युवक की हालत, जुटी जांच में पुलिस

दमोह के तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया का मामला

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी अंतर्गत शराब सेवन से युवक की तबीयत बिगड़ने की घटना सामने आई है। बंडा की घटना के चलते पुलिस और प्रशासन में तत्काल हरकत में आया और पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया सहित पुलिस-प्रशासन के अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और मामले की तत्काल जांच शुरू कराई। मामले को लेकर जो तथ्य सामने आए है उसमें शराब सेवन की बात और जिले के बाहर से शराब खरीदने की पुष्टि तो हुई है लेकिन वह किस ब्रांड की थी और जहरीली थी या नहीं, इस की पुष्टि फिलहाल नहीं है। चूंकि उक्त शराब का सेवन दो अन्य लोगों ने भी किया था, जिनकी हालत बिगड़ने की बात सामने नहीं आई है, वहीं परिजन के बयान भी पुलिस ने दर्ज किए है, जिससे भी अलग कहानी निकल कर सामने आ रही है जानकारी अनुसार भगवान सिंह गोंड़, कल्याण सिंह लोधी और एक अन्य द्वारा सोमवार दोपहर करीब 3 बजे सागर जिले के थाना रहली क्षेत्र के ग्राम बलेह स्थित सरकारी शराब दुकान से तीन पाव देसी शराब लेकर शराब का सेवन किया और इसके बाद अपने गांव बरखेड़ा लौटे। इसके कुछ घंटों बाद इनमें से एक भगवान सिंह गोंड़ की तबीयत बिगड़ गई। उसे फेफड़ों में पानी भरने की शिकायत और मुंह से झाग निकलने की स्थिति में परिजन उपचार के लिए जिला अस्पताल दमोह लेकर पहुंचे। प्रारंभिक स्थिति और वर्तमान हालातों के चलते इसे जहरीली शराब के सेवन से जोड़कर देखा जा रहा था। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो कहानी कुछ अलग होना सामने आई है। पुलिस की जांच में अब तक ऐसा कोई पुख्ता तथ्य सामने नहीं आया है कि शराब जहरीली थी।

न्यूज विंडो

उज्जैन में भगवान चंद्रमोलेश्वर की आरती के दौरान पुजारी की अचानक तबियत बिगड़ी

उज्जैन। भगवान महाकाल की राजसी सवारी के मंदिर पहुंचने के बाद सभा मंडप में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जब भगवान चंद्रमोलेश्वर की आरती के दौरान पुजारी आशीष शर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आरती के बीच उन्हें चक्कर आने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें महाकाल मंदिर परिसर में स्थित आकस्मिक चिकित्सा केंद्र पहुंचाया। चिकित्सा केंद्र में डॉक्टरों की टीम ने पुजारी आशीष शर्मा की तत्काल जांच की। उनका ब्लड प्रेशर और शुगर चेक किया गया। जांच में दोनों सामान्य पाए गए। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ समय आराम करने की सलाह दी।

मंदिर से चोरी हुआ शिवलिंग नदी में मिला, पुलिस ने किया बरामद

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड नंबर 5 स्थित शंकरजी मंदिर से 26 अगस्त को शिवलिंग चोरी होने के मामले में पुलिस ने शिवलिंग को प्रथम घाट नदी से बरामद कर लिया है। घटना के बाद से मोहल्ले में श्रद्धालुओं के बीच आक्रोश और चिंता का माहौल था। हालांकि वहां दूसरा शिवलिंग विधि विधान के साथ रखवा दिया गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड निवासी किराना दुकानदार प्रतिदिन मोहल्ले के लोगों के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। 25 अगस्त की रात करीब 8 बजे पूजा एवं आरती के बाद मंदिर का गेट बंद कर वह घर चले गए थे। मंदिर के गेट पर ताला नहीं लगाया जाता था। अगले दिन 26 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे नेतराम अहिरवार ने उन्हें बताया कि सुबह करीब 4 बजे मंदिर का गेट खुला हुआ था और गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग दिखाई नहीं दे रहा था। सूचना पर मंदिर पहुंचकर आसपास तलाश की गई, लेकिन शिवलिंग का पता नहीं चला। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई।

बंडा घटना के दोषियों पर होगी कठोरतम कार्रवाई: उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के बंडा क्षेत्र में हुई दुखद घटना पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने घटना को अत्यंत संवेदनशील एवं पीड़ादायक बताते हुए स्पष्ट किया है कि मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की जांच पूरी बारीकी और गंभीरता से की जा रही है तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकरण में कुल 30 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 49-क के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर चाहे कोई कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा के उपरांत राज्य सरकार की ओर से घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रित परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

घटना की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक स्तरों पर भी जांच जारी है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) पहुंचकर उपचाराधीन मरीजों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

जहरीली राजनीति कर रही भाजपा: जीतू पटवारी

सागर। सागर पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू ने जहरीली शराब से हुई मौत पर कहा हमारी जो सरकार और प्रशासन है, वो मौत का आंकड़ा छिपा रही है। 50 से ज्यादा मौतें हुई हैं। मैं खुद 33 जगहों पर परिजनों से मिलकर आया हूं... हर घर की वेदना एक कहानी कहती है और चिल्ला-चिल्लाकर यह कहती है कि जिस तरह से भ्रष्टाचार को लेकर मौतों से जहरीली राजनीति भाजपा कर रही है, यह अब सहन करने की स्थिति में मध्य प्रदेश नहीं है। इस सरकार में अगर संवेदनशीलता होती तो वाणिज्य मंत्री को इसी वक्त पद से हटा देना था।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

'सेवा का संकल्प', पीएम मोदी के जन्मदिवस पर होंगे सेवा कार्य

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

करेली के डीएम पैलेस में भाजपा की जिला स्तरीय कार्यसमिति बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ वंदेमातरम और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचकर लोगों से संवाद करेंगे और सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे।

जिला महामंत्री सुरेंद्र मोहन नेमा ने अभियान के तहत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। पूर्व जिला अध्यक्ष महंत पीतमपुरी गोस्वामी ने प्रदेश एवं जिले के प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

विधायक महेंद्र नागेश ने उनका समर्थन किया। वक्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, किसान कल्याण और जल संरक्षण पर भी विचार रखे। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। बैठक में विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन राहुल कौरव ने किया।

शिक्षक दिवस : एक दिन के लिए शिक्षक बना 12वीं का विद्यार्थी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय विद्यालय में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'छात्र बने शिक्षक' गतिविधि रही, जिसमें कक्षा बारहवीं के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने एक दिन के लिए शिक्षक की भूमिका निभाकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का संचालन किया। कार्यक्रम के तहत कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों को पूरे मनोयोग से पढ़ाया और अनुशासन बनाए रखा। उन्होंने न केवल विषय से जुड़े अध्यायों को रोचक तरीके से समझाया, बल्कि एक शिक्षक की दिनचर्या और जिम्मेदारियों को जमीनी स्तर पर अनुभव किया। कक्षा 12वीं

(कॉमर्स) के छात्र शुभम राय ने भी इस अवसर पर शिक्षक की भूमिका का निर्वाह किया। अपने अनुभव को साझा करते हुए शुभम ने कहा कि एक दिन शिक्षक बनकर उन्हें यह गहराई से समझ आया कि समाज में शिक्षक का स्थान सर्वोपरि क्यों है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा और नैतिक मूल्यों के महत्व के प्रति जागरूक भी रखते हैं।

टीईटी की अनिवार्यता से छूट की मांग को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन, विशेष सत्र बुलाने की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से पूर्ण एवं स्थायी छूट दिलाने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा तेंदूखेड़ा के शिक्षकों ने मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीजी गोस्वामी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन शाम करीब 5:30 बजे सौंपा गया। शिक्षकों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि तमिलनाडु विधानसभा की तर्ज पर मध्यप्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट देने संबंधी सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया जाए और इसे केंद्र सरकार को भेजा जाए। शिक्षकों का कहना है कि 23 अगस्त

2010 से पहले तत्कालीन भर्ती नियमों एवं निर्धारित शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर नियुक्त हजारों शिक्षक पिछले 15-16 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन शिक्षकों ने विद्यालयों में अध्यापन के साथ शासन की विभिन्न योजनाओं, चुनाव, जनगणना, कोविड सहित अन्य राष्ट्रीय एवं प्रशासनिक दायित्वों का भी निर्वहन किया है। ऐसे में वर्षों की सेवा एवं अनुभव के बावजूद पुनः टीईटी उत्तीर्ण करने की बाध्यता को शिक्षक अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। ज्ञापन सौंपने से पूर्व शिक्षकों ने शासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान 'मोहन यादव की तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाते हुए टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई। शिक्षकों ने कहा कि तमिलनाडु सरकार द्वारा 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हित में टीईटी से पूर्ण एवं स्थायी छूट की मांग उठाई गई है।

मेट्रो एंकर

शांति समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा, पंडाल से लेकर सुरक्षा और विसर्जन व्यवस्था तक के दिए निर्देश

गणेशोत्सव से भागवत कथा तक, त्योहारों पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों एवं धार्मिक कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार दोपहर 12 बजे थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक एसडीएम सीजी गोस्वामी, एसडीओपी अर्चना अहीर एवं थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में 9 सितंबर से 16 15 सितंबर तक नगर की गौशाला में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। कथा का आयोजन कथा आचार्य पंडित

विपिन बिहारी दास के सानिध्य में किया जा रहा है। इसके साथ ही 14 से 25 सितंबर तक आयोजित होने वाले गणेशोत्सव, 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती तथा 22 सितंबर को ग्राम पंचायत बम्हौरी पाँजी में प्रस्तावित विमान , दंगल प्रतियोगिता कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने आयोजन समितियों से शासन की गाइडलाइन एवं प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित करने की अपील की। गणेशोत्सव समितियों को पंडाल, बिजली, सुरक्षा, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी एवं वालेंटियर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जुलूस एवं विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम तथा अन्य सुरक्षा निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया गया। जबरन चंदा वसूली, आपत्तिजनक गतिविधियों एवं हथियारों के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बँडा क्षेत्र में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों का उल्लेख करते हुए लोगों से अवैध अथवा शराब का सेवन नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों पर घूमने अथवा उपद्रव करने वालों के विरुद्ध पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मंडल अध्यक्ष संत कुमार पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्येंद्र जैन, सांसद प्रतिनिधि ठाकुर मूरत सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू, शोभाराम नामदेव, , पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव, संजय जैन पारसमणि डॉ. परम सिंह, तेजी सिह लोधी मुन्ना विश्वकर्मा, फिरोज खान, अज्जू खान, चेतन जैन, गुट्टी ठाकुर रामकृष्ण मालवीय राहुल ठाकुर भोला सोनी ,सहित भूपेंद्र सिंह नगर परिषद आदि मौजूद थे।

तेंदूखेड़ा-तारादेही क्षेत्र में पांच घंटे बंद रहेगी बिजली

तेंदूखेड़ा। विद्युत विभाग द्वारा 132 केवी तेजगढ़ सब स्टेशन में आवश्यक निर्माण एवं रखरखाव कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इसके चलते बुधवार, 09 सितंबर को तेंदूखेड़ा एवं तारादेही क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार 132 केवी तेजगढ़ सब स्टेशन में आवश्यक कार्य के कारण सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक 33 केवी तेंदूखेड़ा-तारादेही विद्युत लाइन की सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार कार्य की स्थिति एवं प्रगति के आधार पर विद्युत सप्लाई बंद रखने की निर्धारित समयावधि में कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है।

भारत-अफगानिस्तान टी-20 सीरीज का आगाज 13 अगस्त से, टीम इंडिया के पांच खिलाड़ियों की होगी परीक्षा

बुमराह की वापसी और वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी बनेगी आकर्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के सामने जहां अफगानिस्तान के खिलाफ अपना बेहतरीन रिकॉर्ड बरकरार रखने की चुनौती होगी, वहीं कई खिलाड़ियों के लिए यह सीरीज टीम में अपनी जगह मजबूत करने का बड़ा अवसर भी लेकर आई है। खास तौर पर जसप्रीत बुमराह की वापसी, वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी और संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का अफगानिस्तान पर अब तक पूरी तरह दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच नौ मुकाबले खेले गए हैं। भारत ने इनमें आठ मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। यानी अफगानिस्तान अभी तक भारत को इस प्रारूप में शिकस्त नहीं दे सका है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में अफगानिस्तान ने छोटे प्रारूप में अपनी ताकत बढ़ाई है। उसके पास ऐसे स्पिनर और आक्रामक बल्लेबाज हैं, जो किसी भी मुकाबले का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। दोनों टीमों के बीच 2024 में बेंगलुरु में खेला गया मुकाबला टी20 क्रिकेट के सबसे रोमांचक मैचों में शामिल रहा। नियमित खेल और पहला सुपर ओवर बराबरी पर खत्म होने के बाद विजेता के लिए दूसरा सुपर ओवर कराया गया था। अंततः भारत ने बाजी मारी। इसके बाद टी20 विश्व कप में दोनों टीमें आमने-सामने आईं, जहां भारत ने 47 रन से जीत दर्ज की थी।

15 साल के वैभव की असली परीक्षा

सबसे कम उम्र में भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी पर इस सीरीज में खास निगाहें रहेंगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 81 रन की आक्रामक पारी खेलकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। अब अफगानिस्तान के मजबूत स्पिन आक्रमण के सामने उनकी तकनीक और आक्रामक अंदाज की परीक्षा होगी। दलीप ट्रॉफी में भी उनकी फॉर्म अच्छी रही है।

बुमराह लौटे तो गेंदबाजी होगी और खतरनाक| जसप्रीत बुमराह की वापसी भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी खबरों में से एक है। वह मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेले थे। लंबे अंतराल के बाद मैदान पर लौट रहे बुमराह से टीम को शुरुआती और अंतिम ओवरों में निर्णायक गेंदबाजी की उम्मीद होगी। हालांकि, उनकी उपलब्धता फिटनेस परीक्षण पर निर्भर करेगी।

संजू के सामने खुद को साबित करने का मौका| संजू सैमसन के लिए भी यह सीरीज महत्वपूर्ण है। इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में वह केवल 28 रन बना सके थे। आयरलैंड के खिलाफ भी उनका बल्ला नहीं चला और दो मैचों में सिर्फ पांच रन बने। इसके बाद जिम्बाब्वे सीरीज से बाहर रहने के बाद अब उनकी वापसी हुई है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, इसलिए संजू को मिले अवसर को बड़ी पारी में बदलना होगा।

बिश्नोई और नीतीश पर भी निगाहें

रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ प्रभावी गेंदबाजी की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी गुगली और नियंत्रण भारतीय टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। दूसरी ओर नीतीश कुमार रेड्डी के सामने भी बड़ा मौका है। हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में वह ऑलराउंडर की भूमिका को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। चोट से वापसी के बाद उनका प्रदर्शन और फिटनेस दोनों महत्वपूर्ण होंगे।

फिटनेस तय करेगी अंतिम तस्वीर

बुमराह और नीतीश के अलावा हर्षित राणा तथा वॉशिंगटन सुंदर की फिटनेस पर भी नजर रहेगी। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में अंतिम एकादश में जगह के लिए खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। आंकड़े भले ही भारत के पक्ष में हों, लेकिन अफगानिस्तान को कमजोर समझना भारी पड़ सकता है। टी20 में कुछ ही गेंदें पूरे मुकाबले का रुख बदल देती हैं। इसलिए यह सीरीज भारत के लिए रिकॉर्ड बचाने के साथ-साथ कई खिलाड़ियों के लिए अपनी उपयोगिता साबित करने की अहम परीक्षा भी होगी।

टी-20 में आक्रामक बल्लेबाजी को बताया बड़ी ताकत

वैभव पर गावस्कर का भरोसा, बोले- यह युवा अकेले दम पर पलट सकता है मैच का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में कम उम्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर नजरें टिकी हैं, वहीं आगामी टी-20 मुकाबलों को लेकर भी उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही हैं। इसी बीच महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना करते हुए टीम प्रबंधन को इस युवा बल्लेबाज पर भरोसा बनाए रखने की सलाह दी है। गावस्कर का मानना है कि टी-20 क्रिकेट में किसी बल्लेबाज से हर मुकाबले में बड़ी पारी की उम्मीद करना सही नहीं है। इस प्रारूप में ऐसे खिलाड़ी बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, जो कुछ ही मैचों में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मुकाबले की दिशा बदल दें। उनके अनुसार वैभव में यही क्षमता मौजूद है। वह हर मैच में बड़ा स्कोर भले ही न बना पाएं, लेकिन जब उनका बल्ला चलता है तो वह विपक्षी टीम को दबाव में ला सकते हैं। वैभव की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत उनकी तेज शुरुआत मानी जाती है। वह पारी के शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर टीम को मजबूत आधार देने की क्षमता रखते हैं। छोटी पारी भी कई बार टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है, खासकर टी-20 जैसे तेज प्रारूप में।

कम उम्र में खेल में किया बड़ा बदलाव

गावस्कर ने वैभव की समझ और सीखने की क्षमता को भी उनकी बड़ी ताकत बताया है। उनका कहना है कि कम उम्र के इस बल्लेबाज ने अपने खेल में काफी तेजी से बदलाव किए हैं। शुरुआत में उनका बल्लेबाजी दायरा सीमित नजर आता था, लेकिन अब वह मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट लगाने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ शॉट चयन में भी सुधार दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि वैभव को भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल किया जा रहा है। गावस्कर का मानना है कि वैभव अभी बेहद कम उम्र के हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव हासिल करने के लिए समय देना जरूरी है। लगातार मैच खेलने से उन्हें अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने और दबाव से निपटने का अनुभव मिलेगा। इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे में अर्धशतकीय पारियों ने भी उनकी रन बनाने की क्षमता का संकेत दिया है। ऐसे प्रदर्शन से यह उम्मीद बढ़ी है कि आने वाले बड़े टूर्नामेंट में वह भारतीय टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। खासकर छोटे प्रारूप में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी टीम को विपक्षी गेंदबाजों पर शुरुआती दबाव बनाने में मदद कर सकती है।

एशियन गेम्स में बड़ी चुनौती

गावस्कर ने आगामी एशियन गेम्स में भारतीय टीम के सामने मजबूत चुनौती की संभावना भी जताई। उनके मुताबिक बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसी टीमें भारत को कड़ी टक्कर दे सकती हैं। ऐसे में भारतीय टीम को सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, बल्कि गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने हालिया विदेशी दौरे के दौरान भारतीय क्षेत्ररक्षण में नजर आई कमियों की ओर भी इशारा किया। टी-20 क्रिकेट में कई बार एक-दो कैच, रन आउट या अतिरिक्त रन ही मैच का परिणाम बदल देते हैं। इसलिए भारत को मैदान पर हर क्षेत्र में सतर्क रहना होगा। गावस्कर की सलाह का सार यही है कि वैभव जैसे युवा खिलाड़ी को लगातार मौके देकर उनकी प्रतिभा को निखारा जाना चाहिए। हर पारी के आधार पर उनका आकलन करने के बजाय लंबी अवधि को ध्यान में रखकर टीम में उनकी भूमिका तय करनी होगी। अगर उन्हें पर्याप्त समय और भरोसा मिलता है तो आने वाले वर्षों में वैभव भारतीय टी-20 क्रिकेट के बड़े मैच विजेता बन सकते हैं।

दक्षिण कोरिया पर बरसा भारत का गोलों का तूफान, 7-3 से धमाकेदार जीत

मोकी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को 7-3 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के पूल-ए में अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। तीन मुकाबलों में सात अंक हासिल करने वाली भारतीय टीम अब सेमीफाइनल में जगह बनाने से महज एक जीत दूर है। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। भारत ने पांचवें मिनट में अनमोल एक्का के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से खाता खोला। हालांकि दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में डोह्योन चोई के गोल से बराबरी कर ली।

हर गोल का दिया जवाब- दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने आक्रामक तेवर जारी रखे। 18वें मिनट में लवनूर सिंह ने मैदानी गोल कर भारत को फिर बढ़त दिलाई। दक्षिण कोरिया ने एक बार फिर तेजी से पलटवार करते हुए ह्योगुक यू के जरिए बराबरी हासिल कर ली। भारत ने दबाव बनाए रखा और 20वें मिनट में अजीत यादव ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारत ने यह बढ़त कायम रखी।

पुराने रंग में नजर आएगी भारतीय हॉकी टीम

एशियाई खेलों में नीली जर्सी में उतरेंगे खिलाड़ी, टिर्की का एलान

नई दिल्ली , एजेंसी

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने मंगलवार को कहा कि भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें जापान के आइची-नागोया में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में नीली जर्सी पहनकर खेलेंगी। टिर्की ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे जिसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया।

टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह के इतर कहा, आईओए ने हमें टीम किट के लिए रंगों के विकल्प दिए थे। हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए पहला रंग नीला और दूसरा रंग ऑरेंज चुना है। मैने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है।

विश्व कप में जर्सी को लेकर हुआ था विवाद

हाल ही में नीदरलैंड और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर ऑरेंज किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उस समय टिर्की ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। विवाद और बढ़ गया था जब टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है। उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

माइक हाथ में, नजर चिट पर! ममता कुलकर्णी की आरती पर सोशल मीडिया ने लिए जमकर मजे

90 के दशक की ग्लैमरस एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने जब से अध्यात्म की राह पकड़ी है, तब से उनका अंदाज भी पूरी तरह बदला-बदला नजर आता है। कभी बॉलीवुड की फिल्मों में अपने ग्लैमरस अंदाज से तहलका मचाने वाली ममता अब साध्वी के रूप में भक्ति और अध्यात्म की बातें करती दिखाई देती हैं। लेकिन अब उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर अलग ही हलचल मचा दी है। इस बार ममता गणपति बप्पा की आरती सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची गाती नजर आ रही हैं और उनका यही अंदाज यूजर्स को कुछ खास पसंद नहीं आया। वीडियो में ममता पूरे भक्ति भाव में आरती गाने की कोशिश करती दिख रही हैं। लेकिन इसी दौरान उनकी नजरें बार-बार हाथ में रखे एक कागज के टुकड़े पर जाती हैं। आरती के बोल याद रखने के लिए ममता चिट की मदद लेती नजर आ रही हैं। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया यूजर्स ने भी मौके को हाथ से जाने नहीं दिया और कमेंट्स की बौछार शुरू हो गई।

चिट देखकर आरती गाती दिखीं ममता वीडियो में ममता कुलकर्णी भगवान गणेश के सामने बैठी हैं और सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची गा रही हैं. माहौल पूरा भक्तिमय है और ममता भी पूरी तल्लीनता के साथ आरती गाने की कोशिश करती दिखाई देती हैं. लेकिन कैमरे की नजरों से उनका हाथ में रखा कागज नहीं बच पाया. कभी वो चिट की तरफ देखती हैं तो कभी बालों को झटकते हुए अपना लुक ठीक करती नजर आती हैं. उनका ये अंदाज सोशल मीडिया यूजर्स को खूब खटक गया. कई लोगों ने तो आरती से ज्यादा ममता की चिट और उनके हाव-भाव पर ध्यान देना शुरू कर दिया.

ये तो पढ़कर गा रही हैं ब्रो

वीडियो वायरल होते ही लोगों ने कमेंट सेक्शन में अपनी राय रखनी शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, ये तो पढ़कर गा रही हैं ब्रो। वहीं दूसरे ने तंज कसते हुए कहा कि पहले यूट्यूब से सीख लेतीं, एक यूजर ने लिखा, बस करो दीदी, आप तो रहने ही दो। कुछ लोगों ने तो ममता की गायकी सुनकर अपनी हंसी तक नहीं रोक पाई। एक कमेंट में लिखा गया, सॉरी दीदी, मुझे थोड़ी हंसी आ गई वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, सॉरी बप्पा, लेकिन क्या करूं हंसी आ गई। एक यूजर ने तो सीधे-सीधे कहा, सबसे पहले इसके हाथ से माइक ले लो। वहीं कुछ लोगों ने लिखा, मत करो आंटी, प्लीज मत करो। ममता का ये भक्ति वाला अंदाज लोगों के बीच श्रद्धा से ज्यादा मीम और मजाक का विषय बन गया।

जब रेडियो पर गूंजते थे मैडोना के गाने और साइकिल पर निकल पड़ती थीं लिसा रे!

मुंबई। अभिनेत्री लिसा रे ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए अपने जीवन के उस दौर को याद किया, जब संगीत, फैशन और आजादी की भावना उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा हुआ करती थी। 1980 के दशक से जुड़ी अपनी यादों को साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह समय उनके लिए केवल कपड़ों और लोकप्रिय गानों का दौर नहीं था, बल्कि बचपन और युवावस्था की उन भावनाओं से जुड़ा था, जिनमें बेफिक्री के साथ कुछ अलग करने की चाह भी शामिल थी।

लिसा ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें वह काले रंग की पोशाक में दिखाई दे रही हैं। खुले घुंघराले बाल और उनका पूरा अंदाज उस दौर के फैशन की झलक देता है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने बताया कि 80 के दशक में उन्होंने उस समय के चर्चित पहनावे और हेयरस्टाइल को भी खूब अपनाया था।

लिसा ने याद किया कि उस दौर में रंग-बिरंगे लेग वॉर्मर्स, अलग तरह की हेयरस्टाइल और फिल्म 'फ्लैशडांस' से प्रभावित स्वेटशर्ट जैसे पहनावे युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय थे। उनके मुताबिक, उस समय फैशन केवल दिखावे का जरिया नहीं था,

बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तित्व को व्यक्त करने का एक तरीका भी था।अभिनेत्री ने उस दौर के संगीत को अपनी यादों का बेहद खास हिस्सा बताया। मैडोना, माइकल जैक्सन और माइकल हचेंस जैसे कलाकारों के गीत उनकी किशोरावस्था की स्मृतियों से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि वह ड्यूरन ड्यूरन की भी बड़ी प्रशंसक थीं और यहां तक कि अपने पालतू जानवरों के नाम रखने में भी इस संगीत समूह से प्रेरणा ली थी। लिसा ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि कलकत्ता की गर्मियों और टोरंटो में बिताए लंबे सप्ताहांत उनके लिए बेहद खास थे।

मेट्रो बाजार

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का ट्रायल अगले साल मई-जून में शुरू होने की उम्मीद : वैष्णव

मुंबई । भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन का ट्रायल अगले साल मई और जून में शुरू होने की उम्मीद है। यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नदी। साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ट्रायल शुरू होने के दो से चार महीनों के बाद इसे आम यात्रियों के लिए खोला जाएगा। वडोदरा में नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाई-स्पीड ट्रेन का पहला बॉडी फ्रेम हाल ही में बनकर तैयार हुआ है और उसे स्क्रीज टेस्टिंग के लिए भेजा गया है। वैष्णव ने कहा, अगले साल मई या जून तक, भारत की अपनी बुलेट ट्रेन टेस्टिंग के लिए पटरियों पर होगी। 2-4 महीने की टेस्टिंग के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुलेट ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत तैयार किया जा रहा है और इससे वडोदरा और मुंबई के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। उन्होंने कहा, ÷जब आप वडोदरा से बुलेट ट्रेन में सफर करेंगे, तो आप सिर्फ डेढ़ घंटे में मुंबई पहुंच जाएंगे।÷ वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और सूरत-वापी सेक्शन के इस साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। रेलवे सेक्टर में बड़े सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार रेलवे के ऑपरेटिंग सिस्टम, रिजर्वेशन प्लेटफॉर्म और निर्माण से जुड़े नियमों को आधुनिक बना रही है।

मध्य पूर्व में तनाव का असर, भारत की क्रूड ऑयल बास्केट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई । मध्य पूर्व में तनाव का असर भारत की क्रूड ऑयल बास्केट पर भी देखा जा रहा है और इसकी औसत कीमत अब चार महीने के उच्चतम स्तर 100.75 डॉलर पर पहुंच गई है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, 7 सितंबर को भारत की क्रूड ऑयल बास्केट की कीमत 106.26 डॉलर प्रति बैरल थी। यह दिखाता है कि मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ भारत के लिए कच्चा तेल आयात करना महंगा होता जा रहा है।

इससे पहले भारत के कच्चे तेल के बास्केट की औसत कीमत अगस्त में 90.19 डॉलर प्रति बैरल, जुलाई में 82.04 डॉलर प्रति बैरल और जून में 83.22 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं, मई में अमेरिका-ईरान में युद्ध के चरम पर भारत के कच्चे तेल की बास्केट की औसत कीमत 106.23 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कच्चे तेल का दाम भी 100 डॉलर प्रति बैरल की तरफ पहुंच रहा है। दोपहर 2:20 पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.75 प्रतिशत बढ़कर 97.73 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.11 डॉलर प्रति बैरल पर था। मध्य पूर्व में लगातार तनाव के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद है, जिससे दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का आवागमन होता है। अमेरिका-ईरान के युद्ध के बीच में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले करने के कारण स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है और युद्ध के बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के कई रणनीतिक और आर्थिक ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर दिया है। इन हमलों में अभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, किंग खालिद एयर बेस और अभा व जिजान स्थित साऊदी अरामको की तेल

भारत मंडपम से राजघाट तक मॉक ड्रिल

» ब्रिक्स सम्मेलन से पहले अलर्ट मोड में दिल्ली पुलिस और NSG कमांडो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली पुलिस, नेशनल सिक्योरिटी गार्ड समेत देश के कई सुरक्षा बलों ने अपनी कमर कस ली है। इस वीकेंड होने वाले इस हाई-प्रोफाइल इवेंट के लिए मजबूत और कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन ब्रिक्स कवच' के तहत व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुरक्षा तैयारियों के हिस्से के रूप में लगभग 100 NSG कमांडो ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स यूनिट के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर करीब चार घंटे तक मॉक ड्रिल की। यह अभ्यास जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, राजघाट, भारत मंडपम और आर्मी पोलो ग्राउंड में आयोजित किया गया। इस दौरान कमांडो ने हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग (रस्सी के सहारे उतरने) और बंधक बचाव जैसी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

न्यूज विंडो

सूरतः टेक्सटाइल मार्केट में आग 22 गाड़ियां बुझाने में जुटीं

सूरत (एजेंसी)। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने के लिए करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं, क्योंकि दमकलकर्मी मार्केट की ऊपरी मंजिलों पर फैल रही तेज लपटों और घने धुएं से जूझ रहे थे। बचाव अधिकारियों के मुताबिक, फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अफसर बसंत पारिख ने बताया कि दमकलकर्मियों ने पाया कि मार्केट की चौथी और पांचवीं मंजिलें आग की लपटों में घिरी हुई थीं, घने धुएं में इमारत के अंदर कुछ भी दिख रहा था। इससे कर्मचारियों के लिए आकलन करना और वहां तक पहुंचना मुश्किल हो रहा था। मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म से आग पर काबू पाया जा रहा है।

यूपी में 3.92 करोड़ के सोने के बिस्किट के साथ दो गिरफ्तार

चंदौली(उत्तरप्रदेश)। कोतवाली पुलिस और स्वाट/एसओजी टीम ने तड़के नवही पुलिया हाईवे पर किआ कैरेंस कार से लगभग 3.92 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद किया। पुलिस ने कार सवार जुबेर मुबारक शेख, अहिल्या नगर, थाना शांगली, जिला शांगली, महाराष्ट्र और मनीष कुमार, लाजपत नगर, जिला फतेहाबाद, हरियाणा को गिरफ्तार किया।

गियर बाक्स के नीचे बनाए गए विशेष बॉक्स में कपड़े के बेल्ट में लपेटकर दो सिल्लियों में सोना छिपाया गया था। बरामद सोने का वजन दो किलो 565.720 ग्राम है। इसके साथ पांच मोबाइल फोन और कार भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, स्वाट/एसओजी टीम को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की किआ कैरेंस कार एचआर 22डब्ल्यू 2830 से दो लोग बिहार की ओर से सोना लेकर दिल्ली जा रहे हैं। चंदौली पुलिस ने पहले ही दबोच लिया।

अफगानिस्तान में महसूस किए गए भूकंप के झटके

अफगानिस्तान(एजेंसी)। अफगानिस्तान में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। भूकंप आज सुबह 10 बजकर 01 मिनट पर आया। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है। इससे पहले, **नेपाल के** पश्चिमोत्तर हिस्से में स्थित मुस्तांग जिले में मंगलवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमान्थांग में था, जो काठमांडू से 375 किमी. पश्चिमोत्तर में स्थित है। भूकंप रात 9 बजकर 53 मिनट पर आया। भूकंप से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इसके झटके पड़ोसी मनांग, डोल्पा और म्याग्दी जिलों में भी महसूस किए गए।

अरुणाचल में भूकंप के झटके: वहीं, अरुणाचल प्रदेश के बिछोम क्षेत्र में हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गई। भूकंप सुबह 5 बजकर 44 मिनट 15 सेकंड पर आया। इसकी गहराई जमीन के भीतर 10 किलोमीटर थी।

CJP प्रोटेस्ट को लेकर ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट ने भेजा था छात्र को नोटिस

मजिस्ट्रेट पर भड़के सीजेआई बोले- आपकी हिम्मत कैसे हुई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज ग्रेटर नोएडा के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के छात्र अक्षत त्रिपाठी को जारी नोटिस से जुड़ा है। यह मामला वरिष्ठ अधिवक्ता बिश्वजीत भट्टाचार्य ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने उठाया। उन्होंने बताया कि छात्र को पांच लाख रुपये के निजी मुचलके का नोटिस दिया गया था। वकील के मुताबिक, यह कार्रवाई तब की गई, जब सुप्रीम कोर्ट छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर चुका है और छात्रों के खिलाफ भविष्य में किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगा चुका है।

चार सितंबर 2026 को जारी नोटिस में पुलिस रिपोर्ट का हवाला दिया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि अक्षत त्रिपाठी विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सरकार विरोधी और भ्रामक बातें फैला रहे थे। उन पर छात्रों को कॉकरेच जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रस्तावित धरने में शामिल होने के लिए उकसाने का भी आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कथित गतिविधियों से काफी तनाव पैदा हुआ। इससे लड़ाई-झगड़े और शांति भंग होने की आशंका भी जताई गई थी।

पांच लाख के मुचलके का क्या था मामला?

कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने अक्षत त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें पूछा गया था कि शांति बनाए रखने के लिए उनसे पांच लाख रुपये का निजी मुचलका क्यों न लिया जाए। इसके अलावा दो जमानतदारों से भी पांच-पांच लाख रुपये के मुचलके की मांग की गई थी। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नोटिस पर अमल होने वाला था। हालांकि, बाद में मामला प्रेस में आने के बाद इसे वापस ले लिया गया। वकील ने कहा कि अधिकारियों की ऐसी कार्रवाई छात्रों के बीच डर का माहौल पैदा कर सकती है।नोटिस वापस लिए जाने की बात पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने पूछा कि अब कार्रवाई का आधार क्या बचता है। इस पर वकील ने कहा कि नोटिस वापस लेने से कथित अवमानना खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट की गरिमा से जुड़ा मामला बताया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बेहद सख्त टिप्पणी की। उन्होंने सवाल किया कि सुप्रीम कोर्ट के साफ आदेश के बावजूद मजिस्ट्रेट ने छात्र को नोटिस कैसे जारी कर दिया।

कंपनी अधिकारियों ने की मदद

रूस में गिरफ्तार इंजीनियर चंदन गुप्ता रिहा, पत्नी बोली- पति पर लगे आरोप बेबुनियाद

नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

भारत से रूस में काम करने गए इंजीनियर चंदन गुप्ता की गिरफ्तारी के मामले में उनकी पत्नी स्नेहा गुप्ता ने एक और फेसबुक पोस्ट के जरिए अपनी बात सामने रखी है। स्नेहा ने वीडियो जारी कर शनिवार रात हुई घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके पति को रात करीब 11:40 बजे अचानक गिरफ्तार कर लिया गया था। इस दौरान उनका फोन और पासपोर्ट भी जब्त कर लिया गया था। स्नेहा के मुताबिक, उन्हें इस घटना की जानकारी अगले दिन सुबह मिली।

स्नेहा ने बताया कि गिरफ्तारी के समय उनके पति के साथ एक मित्र भी मौजूद था। चंदन का फोन और पासपोर्ट पुलिस द्वारा लिए जाने के कारण उनसे सीधे संपर्क नहीं हो सका। स्नेहा ने कहा कि उनके पति के मित्र के माध्यम से उन्हें रविवार सुबह घटना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने लगातार कंपनी के अधिकारियों से संपर्क किया और अपने पति के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश की।

कंपनी ने वकील की व्यवस्था कराई

स्नेहा के मुताबिक, इस पूरे मामले में कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड और रूस में उसकी शाखा यूफ्लेक्स लिमिटेड रूस के अधिकारियों ने उनकी काफी मदद की। उन्होंने बताया कि कंपनी के प्रशासनिक विभाग और यूनिट हेड लगातार उनके संपर्क में रहे। कंपनी के अधिकारियों ने वकील की व्यवस्था भी की। स्नेहा ने कहा, कानूनी मदद मिलने के बाद पति रात में रिहा होकर आ सके। स्नेहा ने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वह काफी परेशान थीं। कंपनी के अधिकारियों ने सहायता की और पति की रिहाई के लिए कानूनी मदद उपलब्ध कराई। स्नेहा ने इसके लिए यूफ्लेक्स लिमिटेड, रूस स्थित शाखा और प्रशासनिक विभाग का आभार जताया।

सहारनपुर : पीएनबी में जाली नोट मामले में बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली. एजेंसी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (के करेंसी चेस्ट से जुड़े 17.29 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट बरामदगी मामले में एक बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार के रूप में हुई है। करेंसी चेस्ट का प्रबंधक था अमित कुमार अधिकारियों के अनुसार, अमित कुमार सहारनपुर स्थित बैंक के करेंसी चेस्ट में प्रबंधक के पद पर तैनात था और मामला दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच आगे बढ़ाई है।

कांग्रेस पार्षद दबाव में अटका आजाद नगर मार्ग चौड़ीकरण

मुनादी के बावजूद नहीं हटा 3.5 मीटर का अतिक्रमण, नपती की रिपोर्ट भी दबाई

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

शहर के आजाद नगर और पुष्पा मिशन अस्पताल के बीच मार्ग चौड़ीकरण का कार्य राजनीतिक और रसूखदारों के दबाव की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। वार्ड 45 के कांग्रेस पार्षद राजेंद्र गब्बर कुवाल के दबाव में नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारी कार्रवाई से बच रहे हैं। नगर निगम द्वारा 3.5 मीटर तक अतिक्रमण हटाने की मुनादी कराने के बावजूद अब तक पक्के निर्माण नहीं हटाए जा सके हैं।

नगर निगम ने 20 मई 2026 को कोठी महल तहसीलदार को पत्र लिखकर सीमांकन की मांग की थी। इसके बाद नायब तहसीलदार दर्यांव सिंह भूरिया के नेतृत्व में दल गठित किया गया। दल में राजस्व निरीक्षक मोहम्मद सादिक खान, पटवारी कमलेश शर्मा,

कार्तिकेय सिंह सेंगर और अतुल नारायण तिवारी शामिल थे। प्रशासनिक दल ने 25 मई 2026 को मौके पर पहुंचकर नपती की। नपती के दौरान मौके पर 1.5 मीटर, 2 मीटर और 3.5 मीटर तक के अतिक्रमण चिह्नित कर निशान लगाए गए। सीमांकन के बाद क्षेत्र में बाकायदा मुनादी कराई गई थी कि आजाद नगर के रहवासी 3.5 मीटर तक का अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लें, अन्यथा नगर निगम की टीम इसे तोड़ देगी। मुनादी के बाद भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी और आज तक नपती की रिपोर्ट ही प्रस्तुत नहीं की गई है।

बड़े लेन-देन की आशंका

विवादित स्थल पर 3.5 मीटर तक के पक्के निर्माण हैं। आजाद नगर में कई रसूखदार लोगों के होटल व व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालित हो रहे हैं, जिसके चलते इस पूरे मामले में बड़े लेन-देन की आशंका जताई जा रही है। यहां पास ही स्कूल और अस्पताल होने के कारण अक्सर जाम लगा रहता है। संकरे मार्ग की वजह से स्कूली बसों और एंबुलेंस को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मेट्रो एंकर पीयू की स्टडी में बड़ा खुलासा, तलछट में क्रोमियम-निकेल समेत छह धातुएं

पानी साफ तो भी खतरा... हिमालयी नदियों में मिली जहरीली धातुएं

नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

हिमालय से निकलने वाली नदियां शहरों और गांवों की प्यास बुझाने, खेतों की सिंचाई और जलीय जीवन को सहारा देने में अहम हैं। लेकिन नदी की सेहत का खतरा सिर्फ बहते पानी में नहीं, उसकी तलहटी में जमा तलछट में भी छिपा हो सकता है।

पंजाब यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ एनवायर्नमेंटल स्टडीज से जुड़े शोधकर्ताओं मधुरी एस ऋषि, राखी सिंह, लखविंदर कौर और नीलम सिद्धू के अध्ययन में हिमालयी नदियों की तलछट में धातु प्रदूषण की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट में सितंबर 2026 में प्रकाशित अध्ययन में हिमाचल प्रदेश की चंद्रा नदी, ब्यास नदी और चक्की खड्ड की सतही तलछट की जांच की गई। शोधकर्ताओं ने तीनों नदी प्रणालियों से 10-10 यानी कुल 30 नमूने लिए। इनमें क्रोमियम, निकेल, कोबाल्ट, कॉपर, जिंक और

लेड जैसे छह ट्रेस मेटल की मात्रा जांची गई और अलग-अलग प्रदूषण सूचकांकों से पारिस्थितिक जोखिम का आकलन किया गया। अध्ययन में चक्की खड्ड तीनों में सबसे अधिक प्रभावित मिली। नेमेरो पॉल्यूशन इंडेक्स के अनुसार यहां 70 फीसदी नमूने चेतावनी स्तर के प्रदूषण में पाए गए। निकेल को लेकर भी स्थिति गंभीर रही।

चक्की खड्ड में निकेल का बढ़ा खतरा मानवीय गतिविधियां बनीं बड़ी चिंता

चक्की खड्ड के 70 फीसदी नमूनों में निकेल की मात्रा प्रॉबेबल इफेक्ट कॉन्सन्ट्रेशन (पीईसी) से ऊपर मिली। क्रोमियम की पीईसी सीमा भी तीनों नदी क्षेत्रों के कई नमूनों में पार हुई। इसके विपरीत चंद्रा नदी अपेक्षाकृत कम प्रभावित मिली। शोध में चंद्रा में धातुओं की मौजूदगी को मुख्य रूप से प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक स्रोतों से जोड़ा गया है। ब्यास में प्राकृतिक और मानवजनित दोनों प्रभाव मिले, जबकि चक्की खड्ड में मानवीय गतिविधियों का असर अधिक स्पष्ट रहा।

रेत खनन और डाइंग उद्योग पर सवाल

शोधकर्ताओं ने रेत खनन और डाइंग उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट को धातु प्रदूषण के संभावित प्रमुख स्रोतों में शामिल किया है। तलछट में जमा धातुएं परिस्थितियां बदलने पर दोबारा पानी या जलीय जीवों के संपर्क में आ सकती हैं। ऐसे में नदी से रेत-बजरी निकालने का असर केवल उसके स्वरूप तक सीमित नहीं माना जा सकता।

सिर्फ पानी की जांच से पूरी तस्वीर नहीं

शोध यह निष्कर्ष नहीं देता कि इन नदियों का पानी पीने योग्य नहीं है। अध्ययन का केंद्र सतही तलछट और उससे जुड़े पारिस्थितिक जोखिम हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं का कहना है कि नदी की वास्तविक सेहत समझने के लिए पानी के साथ तलछट की नियमित निगरानी भी जरूरी है। अध्ययन को हिमालयी नदी घाटियों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेस-मेटल बेसलाइन डेटा बताया गया है। भविष्य की जांच से प्रदूषण के स्तर में बदलाव का पता लगाया जा सकेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524